RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 09 ता. 02 जूलाई 2021, शुक्रवार कार्यालय:114, नु प्रिंरका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपरे

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को भेजे बंगाल के आम, मिठास से दूर होगी केंद्र-राज्य के बीच रिश्तों की खटास!

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र और राज्य के रिश्तों में आई खटास में मिठास आएगी या नहीं, यह भविष्य तय करेगा, मगर इसकी पहल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कर दी है। बंगाल चुनाव के दौरान कड़वी सियासी लड़ाई लड़ने के बाद और कई मुद्दों पर जारी तकरार के बीच पश्चिम बंगालकी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आम भेज कर राज्य और केंद्र के रिश्तों में मिठास घोलने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ममता बनर्जी ने इसी सप्ताह पीएम नरेंद्र मोदी को पश्चिम बंगाल के आम भेजे हैं। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिमसागर, मालदा और लक्ष्मणभोग आम भेजे गए हैं। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी ने देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, गृहमंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह को भी आम भेजा है। इसके अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी आम की पेटियां भेजी गई हैं। दरअसल, ममता बनर्जी 2011 से ही दिल्ली आम भेजती रही हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी पीएम मोदी को मिठाईयां भी भेजती हैं, जिसका जिक्र खुद नरेंद्र मोदी ने अक्षय कुमार के साथ एक इंटरव्यू में किया था। पीएम मोदी ने कहा था कि वे बंगाली मिठाई के दीवाने हैं और ममता दीदी उन्हें भेजती रहती हैं। ममता बनर्जी की ओर से पीएम मोदी समेत कई मंत्रियों को आम ऐसे वक्त में भेजे गए हैं, जब कई मुद्दों पर राज्य सरकार और केंद्र के बीच टकराव जारी है। बंगाल चुनाव बाद हिंसा से लेकर नारदा केस और अलापन बंदोपाध्याय के मुद्दे को लेकर मममता सरकार और केंद्र की मोदी सरकार आमने-सामने है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि आम की इस मिठास से केंद्र और राज्यों के रिश्तों में आई खटास दूर हो सकेगी।

डिजिटल इंडिया के छह वर्ष पूरे

लाभार्थियों से पीएम नेरन्द्र मोदी बोले- सही टेक्नोलॉजी से सुविधा होगी और बेहतर

नई दिल्ली। डिजिटल इंडिया अभियान के आज छह वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इस के बाद उनूहोंने अभियान के 6 वर्ष पूरे होने पर देश को को शुभकामनाएं दी और कहा कि आज का दिन भारत के सामर्थ्य, भारत के संकल्प और भविष्य की असीम संभावनाओं को समर्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का डिजिटल होना आज समय की मांग है। अब हमारी कोशिश है कि गांव में सस्ती और अच्छी इंटरनेट कनेक्टिविटी मिले। सस्ते मोबाइल और दूसरे माध्यम उपलब्ध हो ताकि गरीब से गरीब बच्चा भी अच्छी पढ़ाई कर पाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने ई-नाम योजना के लाभार्थी के साथ बात की। उन्होंने कहा कि ई-नाम पोर्टल इसलिए बनाया गया है, ताकि किसान देश की सभी मंडियों में अपनी फसल का सौदा कर सके। इस पोर्टल पर किसान और व्यापारी बड़ी संख्या में जुड़ रहे हैं।

शिक्षा का डिजिटल होना आज समय की मांग है। अब हमारी कोशिश है कि गांव में सस्ती और अच्छी इंटरनेट कनेक्टिविटी मिले। सस्ते मोबाइल और दूसरे माध्यम उपलब्ध हो ताकि गरीब से गरीब बच्चा भी अच्छी पढ़ाई कर पाएं।

आज डिजिटल एग्रीकल्चर के जरिए किसान अपनी फसल बेच रहे हैं- रविशंकर प्रसाद

इससे पहले केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि छह साल डिजिटल इंडिया के पूरे हो गए। गरीबों के बैंक खाते खोले गए। कल्याणकारी योजनाओं के पैसे सीधे गरीबों के बैंक खाते में डाले हैं। आज डिजिटल एग्रीकल्चर के जरिए किसान अपनी फसल बेच रहे हैं।

भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए शुरू की गई थी पहल

बता दें कि भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से डिजिटल इंडिया पहल शुरू की गई थी। डिजिटल इंडिया अभियान को 1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था। डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के एमडी और सीईओ अभिषेक सिंह ने कहा कि यह एक बहुत ही संवादात्मक और सूचनात्मक सत्र होने जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री देशभर के डिजिटल इंडिया के लाभार्थियों से बात करेंगे। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है क्योंकि हमें प्रधानमंत्री से जो मार्गदर्शन और समर्थन मिला है, वह अद्वितीय है। कार्यक्रम का आयोजन वर्चुअली होगा। इसका प्रसारण डिजिटल इंडिया के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर लाइव किया जाएगा।

अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील शिंदे आलाकमान से हुए खफा

बोले-पार्टी अपनी विचारधारा की संस्कृति खो रही

नई दिल्ली। क्या जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे भी कांग्रेस से बगावत करने की तैयारी में हैं। ऐसा इसलिए कि उनके एक बयान से सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी अपनी विचारधारा की संस्कृति लगातार खो रही है। उनके मुताबिक, पार्टी इस समय कहां है यह समझ पाना मुश्किल काम है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सुशील शिंदे भी पार्टी छोड़ने का मन बना रहे हैं। क्योंकि पार्टी में पिछले कुछ समय से जो तस्वीर बन रही है उससे तो यही लगता है कि सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी हाईकमान से कई शीर्ष नेता नाराज चल रहे हैं।

डॉक्टर्स डे-पीएम मोदी बोले-

कोविड-19 के खिलाफ जंग में भारत को अपने डॉक्टरों पर गर्व, अमित शाह और राहुल गांधी ने भी किया याद

नई दिल्ली। एक जुलाई 2021 को देशभर में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जा रहा है। हर साल 1 जुलाई को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की अगुवाई में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जाता है। बता दें कि राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि के मौके पर मनाया जाता है। इस मौके पर लोग डॉक्टरों को बधाई, शुभकामनाएं दे रहे हैं। साथ ही उनके नेक कामों को याद कर रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज डॉक्टरों को संबोधित भी करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने डॉक्टर्स डे पर ट्वीट कर समाज में उनकी अहम भूमिका के लिए आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया को स्वस्थ बनाने में भारत का अहम योगदान है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, 'कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत को अपने सभी चिकित्सकों के प्रयासों पर गर्व है। प्रधानमंत्री के अलावा गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस सांसद राहुल

गांधी समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया। राहुल गांधी ने ट्वीट किया 'हर उस पल के लिए जो आप किसी का जीवन बचाने में लगाते हैं- हैशटैगथैंक्यू डॉक्टर्स'

रक्षा उत्पादन से जुड़े कर्मी अब नहीं कर सकेंगे हड़ताल

आवश्यक सेवा अध्यादेश लागू, न मानने पर होगी जेल

नई दिल्ली। रक्षा संबंधी आवश्यक सेवाओं में शामिल कर्मियों के हड़ताल के खिलाफ सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने हड़ताली कर्मचारियों के विरुद्ध अध्यादेश जारी किया है। इसके तहत कर्मचारियों को अचानक से काम बंद करना महंगा पड़ेगा। यहां तक कि उन्हें जेल भी जाना पड़ेगा। यह अध्यादेश रक्षा संबंधी आवश्यक सेवाओं में शामिल कर्मियों के हड़ताल एवं किसी भी तरह के विरोध-प्रदर्शन करने पर रोक लगाता है। आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) से जुड़े कई बड़े संघों ने हाल ही में सरकार के ओएफबी को निगम बनाने के फैसले के खिलाफ अगले महीने से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की थी, जिसको देखते हुए आवश्यक रक्षा सेवा अध्यादेश, 2021 लाया गया है। एक राजपत्रित अधिसूचना के मुताबिक, रक्षा उपकरण के उत्पादन, सेवा और संचालन में

शामिल कर्मचारी या सेना से जुड़े किसी भी औद्योगिक प्रतिष्ठान के उत्पादन में शामिल कर्मचारियों के साथ ही रक्षा उत्पादों की मरम्मत और रखरखाव में कार्यरत कर्मचारी अध्यादेश के दायरे में आएंगे। कानून मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति जोकि हड़ताल शुरू करता है या ऐसी किसी भी हड़ताल में भाग लेता है जोकि इस अध्यादेश के अंतर्गत गैर-कानूनी है तो उसे एक वर्ष की अवधि तक की जेल या 10000 रुपये जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है।''

इस प्रस्ताव पर सरकार ने लगाई मुहर-दरअसल, जून में सरकार ने नीतिगत सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए करीब 200 साल पुराने आयुध निर्माण बोर्ड के पुनर्गठन के लंबित प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत बोर्ड को अलग-अलग कंपनियों में बदला जाएगा, ताकि काम के प्रति जवाबदेही बढ़े। बोर्ड के पास इस समय हथियार और गोला-बारूद बनाने के 41 कारखाने हैं।

सोशल मीडिया की राय के साथ न बहें जज, चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने दी हिदायत

नई दिल्ली। जजों को सोशल मीडिया पर आम लोगों की भावनात्मक राय के साथ बहने से बचना चाहिए। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने यह राय दी। उन्होंने कहा कि जजों को यह ध्यान रखना चाहिए कि किसी बात का ज्यादा शोर हमेशा यह नहीं तय करता कि वह सही है। चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यू मीडिया टूल्स में यह ताकत है कि उसकी राय काफी ज्यादा सुनाई देती है। लेकिन इनमें यह क्षमता नहीं है कि वे सही और गलत, अच्छे और बुरे और सच एवं फेक में अंतर कर सकें। ऐसे में सोशल मीडिया की राय से प्रभावित होने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि ऐसे में मीडिया ट्रायल किसी भी मामले के निर्णय की वजह नहीं बनने चाहिए। जस्टिस पीडी देसाई मेमोरियल लेक्चर सीरीज के तहत 'रूल ऑफ लॉ' विषय पर बोलते हुए चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका पर दबाव को लेकर अकसर बात होती है। लेकिन यह बात भी ध्यान रखने की है कि कैसे सोशल मीडिया के चलते संस्थानों पर भी असर पड़ता है। यहां यह समझने की जरूरत है कि जो कुछ भी समाज में होता है, उससे जज और न्यायपालिका अछूते नहीं रहते हैं। न्यायपालिका को पूर्ण आजादी की जरूरत बताते हुए कहा कि यदि सरकार की ताकत और उसके एक्शन पर कोई चेक लगाना है तो फिर न्यायपालिका को पूर्ण आजादी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका पर सीधे या अप्रत्यक्ष तौर पर विधायिका का कोई नियंत्रण नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो फिर कानून का शासन वैसा नहीं रह जाएगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि लोकतंत्र में न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका अहम स्थान रखते हैं और संविधान के मुताबिक तीनों ही बराबर के भागीदार हैं। न्यायपालिका को उसके सीमित रोल के बारे में बताते हुए रमन्ना ने कहा कि हमें उस पर ही बात करनी चाहिए।

रूसी वैक्सीन स्पूतनिक लाइट के तीसरे चरण के ट्रायल को नहीं मिली भारत में इजाजत

नई दिल्ली। भारत में रूसी की विकसित की गई कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक लाइट को तीसरे चरण के ट्रायल की मंजूरी नहीं मिली है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया हे कि डॉक्टर रेड्डी ने इसके तीसरे चरण के ट्रायल की इजाजत भारत के ड्रग रेगुलेटरी बॉडी से मांगी थी, जिसको ठुकरा दिया गया है। आपको बता दें कि रूस की विकस्ति कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक वी को पहले ही भारत आपात स्थिति में इस्तेमाल की इजाजत दे चुका है। इसकी दो खुराक दी जाएंगी। वहीं स्पूतनिक लाइट की केवल एक ही खुराक काफी होगी। आपको बता दें कि रूस ने स्पूतनिक वी के बाद सिंगल डोज वाली स्पूतनिक लाइट को दुनिया के सामने पेश किया गथा। इस वैक्सीनप को भी रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत गमेल्या नेशनल रिसर्च सेंटर ऑफ एपिडेमोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी ने विकसित किया है। स्पूतनिक लाइट वैक्सीन में एडी26 का इस्तेमाल किया गया है जिसको वैक्सीन वी की पहली डोज में इस्तेमाल

● भारत में चल रहे वैक्सीनेशन ड्राइव में कोविशील्ड और कोवैक्सीन के अलावा रूस की स्पूतनिक वी को अब तक मंजूरी मिली है। स्पूतनिक वी को मई में इसके लिए मंजूरी मिली थी।

किया गया था। जानकारी के मुताबिक डॉक्टर रेड्डी इस ट्रायल में ये देखना चाहती थी कि ये वायरस से लड़ने में जरूरी हमारे इम्यून सिस्टम को कितना मजबूत करती है और वायरस से लड़ने में कितनी सहायक है।

सूत्रों का कहना है कि स्पूतनिक लाइट के ट्रायल को लेकर सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने इसलिए मंजूरी नहीं दी क्योंकि उन्हे लगता है कि ये कोई खास वैक्सीन नहीं है। इसलिए इसके आगे ट्रायल की जरूरत भी नहीं समझी गई है। आपको बता दें कि भारत में चल रहे वैक्सीनेशन ड्राइव में कोविशील्ड और कोवैक्सीन के अलावा रूस की स्पूतनिक वी को अब तक मंजूरी मिली है। स्पूतनिक वी को मई में इसके लिए मंजूरी मिली थी।

अर्जेंटीना में हुए एक शोध में वैक्सीन को 79 फीसद तक वायरस पर कारगर पाया गया था। शोध में 60-79 वर्ष की आयु वाले लोगों को शामिल किया गया था। रूस में हुए इसके तीसरे चरण के ट्रायल में भी इसको इतना ही कारगर पाया गया था। रूस में ये ट्रायल जहां 5 दिसंबर 2020-15 अप्रैल 2021 के बीच किया गयाथा वहीं अर्जेंटीना में ये 29 दिसंबर 2020 से 21 मार्च 2021 के बीच किया गया था।

वैज्ञानिकों की पकड़ में आया डेल्टा प्लस

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट की पहचान होने के बाद भारतीय वैज्ञानिकों को एक और कामयाबी मिली है। उच्च स्तरीय लैब में डेल्टा प्लस वैरिएंट को कल्चर करने में वैज्ञानिक सफल रहे हैं जिसके बाद इस वैरिएंट का इन्सानों पर होने वाले असर का पता लगाना शुरू कर दिया है। इसके लिए चूहों की एक प्रजाति को डेल्टा प्लस से संक्रमित किया है। कोरोना के डबल म्यूटेशन से निकले डेल्टा और फिर उसमें से बाहर आए डेल्टा प्लस के बारे में काफी सीमित जानकारी है। यह वैरिएंट किस तरह कार्य करता है और इन्सानों पर इसका कितना प्रभाव होता है? इसके बारे में अब तक वैज्ञानिक तथ्य पर्याप्त नहीं है। इन्हीं की जानकारी हासिल करने के लिए नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉयरोलॉजी (एनआईवी) की टीम पिछले कई दिनों से डेल्टा प्लस को कल्चर करने में जुटी हुई थी लेकिन उसे अब कामयाबी मिल चुकी है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल का कहना है कि कल्चर के बाद अब वैरिएंट का असर पता करने के लिए अध्ययन शुरू हो चुका है। उम्मीद है कि अगले कुछ सप्ताह बाद हमें वैज्ञानिक तथ्यों के साथ यह पता चलेगा कि यह वैरिएंट कितना प्रभावी है? लोगों को संक्रमित करने के बाद क्या यह गंभीर स्थिति में लाता है? वैक्सीन लेने या फिर पहले से संक्रमित व्यक्ति को यह दोबारा कितना चपेट

में लेता है? इन सभी सवालों के जवाब हमें मिल जाएगा जिसके बाद इसकी गंभीरता के अनुसार रणनीति पर काम होगा।

हैमस्टर पर किया परीक्षण

वहीं एनआईवी की एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि फिलहाल नौ-नौ सीरियाई हैमस्टर (चूहों की एक प्रजाति) के समूह में से दो को डेल्टा प्लस से संक्रमित किया है। इनमें एक समूह ऐसा है जिनमें कोरोना के खिलाफ पहले से एंटीबॉडी मौजूद हैं। इस समूह को डेल्टा प्लस से संक्रमित किया है ताकि यह पता चल सके कि क्या डेल्टा प्लस की वजह से एंटीबॉडी का स्तर कम होता है? चूंकि डेल्टा वैरिएंट काफी तेजी से फैलता और एंटीबॉडी कम करता है। ऐसे में टीकाकरण के बाद और दोबारा संक्रमित होने की आशंका काफी बढ़ जाती है। शायद इसीलिए डेल्टा प्लस को भी गंभीर वैरिएंट के रुप में माना जा रहा है लेकिन अब तथ्यों के आधार पर आगे का फैसला होगा।

तीन से चार सप्ताह में अध्ययन पूरा होगा-आईसीएमआर के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि डेल्टा प्लस का अध्ययन पूरा होने में अभी कम से कम तीन से चार सप्ताह का वक्त लगेगा। 15-15 दिन के अंतराल में सभी समूह की गतिविधियों को दर्ज किया जाएगा और फिर समीक्षा करने के साथ इस अध्ययन के परिणाम सार्वजनिक होगें। उन्होंने बताया कि जिस टीम ने कोरोना वायरस को सबसे पहले कल्चर किया था उसी ने अब डेल्टा प्लस को भी कल्चर किया है। उनके अनुसार जब तक वायरस कल्चर के सा?थ वैज्ञानिकों के हाथ नहीं लगता है तब तक उससे संबंधित कोई भी जानकारी हासिल कर पाना मुश्किल है।

12 राज्यों में मिल चुका है डेल्टा प्लस-स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार डेल्टा प्लस अब तक देश के 12 राज्यों में मिल चुका है। महाराष्ट्र, केरल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, एमपी, पंजाब, गुजरात, ओडिशा, जम्मू, राजस्थान और कर्नाटक में डेल्टा प्लस के कुल 51 मामले मिले हैं। जबकि जीनोम सीक्वेंसिंग को लेकर सूत्रों का कहना है कि अब तक देश में 68 से ज्यादा मरीजों की पुष्टि हो चुकी है।

सार समाचार

लाल किला हिंसा मामले में आरोपी शख्स को मिला अंतरिम संरक्षण

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 26 जनवरी को लाल किला हिंसा मामले के आरोपी जुगराज सिंह को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है। बता दें कि केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ 26 जनवरी को किसानों ने दिल्ली की तरफ कूच किया था। इसी बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने लाल किला में एक धर्म विशेष का झंडा फहराया था। जिसकी सभी ने निंदा की थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीलोफर आबिदा परवीन ने आरोपी जुगराज सिंह को इस शर्त पर अंतरिम संरक्षण प्रदान किया कि वह गणतंत्र दिवस हिंसा मामले में उनके खिलाफ दर्ज दो एफआईआर की जांच में सहयोग करेंगे।

आरोपी बूटा सिंह को हिरासत में भेजा

एक अदालत ने गणतंत्र दिवस पर लाल किले में हिंसा और तोड़फोड़ में कथित संलिप्तता के मामले में पूछताछ के लिए 26 वर्षीय एक प्रदर्शनकारी को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। किसानों के प्रदर्शन में कथित रूप से सक्रिय भूमिका निभाने वाले आरोपी बूटा सिंह को बुधवार को पंजाब के तरण तारण से गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग रिश्वत मामले के आरोपी की अंतरिम हिरासत जमानत बढ़ायी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने वर्ष 2017 में निर्वाचन आयोग रिश्वत मामले में गिरफ्तार किए गए एक व्यक्ति की अंतरिम हिरासत जमानत अवधि को उसकी बीमार मां की चेन्नई में सर्जरी कराने के लिए बृहस्पतिवार को बढ़ा दिया। इस मामले में अन्ना द्रमुक नेता टीटीवी दिनाकरण और अन्य लोग कथित तौर पर शामिल थे। न्यायमूर्ति सी. हरी शंकर और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की अवकाशकालीन पीठ ने इस तथ्य के मदेनजर सुकेश चंद्रशेखर की अंतरिम हिरासत जमानत अवधि 12 जुलाई तक बढ़ा दी कि उसकी मां की सर्जरी की तारीख बदलकर अब सात जुलाई कर दी गयी है। चंद्रशेखर के वकील ने अदालत को बताया कि सर्जरी 24 जून को होनी थी लेकिन उसकी मां के स्वास्थ्य मापदंड सही नहीं होने के कारण सर्जरी नहीं की जा सकी। अदालत ने उसके वकील की उन दलीलों पर गौर किया कि वह अंतरिम हिरासत जमानत अवधि और बढ़ाने की मांग नहीं करेगा चाहे सर्जरी हो या नहीं हो। पीठ ने कहा, ''अंतरिम हिरासत जमानत उसी शर्तों और परिस्थितियों पर 12 जुलाई तक बढ़ायी जाती है।'' चंद्रशेखर की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और पराग त्रिपाठी ने जमानत अवधि दो हफ्ते के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया था। चंद्रशेखर को पहले चार जून को अंतरिम हिरासत जमानत दी गयी थी और इसके बाद 18 जून को इसे दो जुलाई तक इस आधार पर बढ़ाया गया कि आरोपी की मां गंभीर रूप से बीमार है और उसे अस्पताल में भर्ती कराने तथा इलाज कराने की आवश्यकता है।

मध्यप्रदेश के 6 बाघ अभयारण्य 1 जुलाई से तीन महीने के लिए सैलानियों के लिए बंद

भोपाल। बरसात के मौसम के कारण प्रसिद्ध कान्हा बाघ अभयारण्य सहित मध्यप्रदेश के छह बाघ अभयारण एक जुलाई से सैलानियों के लिए तीन महीने के लिए बंद कर दिये गये हैं। मध्यप्रदेश वन विभाग के प्रधान मुख्य संरक्षक (वन्यजीव) आलोक कुमार ने गुरूवार को बताया, ''प्रदेश के छह बाघ अभयारण्यों के कोर इलाके आज से सैलानियों के लिए तीन महीने के लिए बंद कर दिए गये हैं। अब ये एक अक्टूबर से पर्यटकों के भ्रमण के लिये खुलेंगे।'' उन्होंने कहा कि इन अभयारण्यों के बफर इलाके पर्यटन की गतिविधियों के लिए खुले रहेंगे। कुमार ने बताया कि बरसात के मौसम में बाघ अभयारण्यों को विभिन्न कारणों से सैलानियों के लिए बंद कर दिया जाता है। यह बाघों के प्रजनन का समय होता है। इसके अलावा, बारिश के कारण अभयारण्यों में आवाजाही के रास्ते वाहनों के लायक नहीं रहते हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में वहां पर जानवरों के लिए चारागाह सहित अन्य अधोसंरचना भी विकसित होती है। मालूम हो कि वर्ष 2018 की गणना के अनुसार देश में सबसे अधिक 526 बाघ मध्यप्रदेश में है। प्रदेश में कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, सतपुड़ा, संजय दुबरी और पन्ना सहित छह बाघ अभयारण्य हैं, जो हर साल मानसून के मौसम में बंद रहते हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ में लश्कर के तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए। इस दौरान हुई गोलीबारी में सेना के दो जवान भी घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक, आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना ने संयुक्त रूप से कुलगाम जिले के चिमेर गांव में घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान वहां मौजूद आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि इस मुठभेड़ में शुरुआत में दो आतंकवादी मारे गए जबकि तीसरे आतंकवादी के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ कई घंटों तक चली, लेकिन अंत में वह भी मारा गया। प्रवक्ता ने बताया कि गोलीबारी के दौरान घायल सेना के दो जवानों को एयरलिफ्ट करके श्रीनगर में सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान वसीम अहमद बंगरू निवासी कुलगाम, शाहनवाज अहमद निवासी शोपियां और जाकिर बशीर निवासी कुलगाम के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि ये तीनों प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयाब से जुड़े थे।

कानूनों को रद्द करने के अलावा सरकार किसी भी प्रस्ताव पर चर्चा करने को तैयार: कृषि मंत्री

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि कानूनों को लेकर किसानों का प्रदर्शन पिछले 6 महीने लगातार जारी है। किसान लगातार कृषि कानूनों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के कुछ किसान लगातार डटे हुए हैं। इन सबके बीच केंद्रीय कृषि मंत्री ने बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कानूनों को खत्म करने के अलावा सरकार किसानों की सभी मांग पर बात करने को तैयार है।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश के अधिकांश क्षेत्र, यूनियन और किसान कृ?षि कानूनों के समर्थन में हैं जिन लोगों को आपत्ति है, उनसे सरकार ने कई दौर की वार्ता की है। हमने किसान यूनियन के लोगों को कहा है कि कानूनों को रद्द करने के ?अलावा सरकार किसी भी प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए तैयार है। आपको बता दें कि सरकार और किसानों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि किसान नेता अपनी हट पर लगातार अड़े हुए हैं।

गाजीपुर सीमा पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं और कृषि कानून के विरोध में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के

बाद भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बुधवार को भाजपा पर जाति आधारित दंगे भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया। बीकेयू की ओर से जारी बयान के अनुसार टिकैत ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसान नेताओं को काले झंडे दिखाये और आपत्तिजनक का इस्तेमाल किया। बयान में कहा गया है कि बाल्मीकि समाज के सदस्यों ने कृषि कानूनों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है। एक प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार झड़प उस वक्त हुई जब भाजपा कार्यकर्ता एक फ्लाईवे पर जुलूस निकाल रहे थे, जहां प्रदर्शनकारी मुख्य रूप से बीकेयू के समर्थक नवंबर 2020 से डेरा डाले हुए हैं।

संजय सिंह का योगी सरकार पर आरोप, कहा- उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव एकतरफा करवाया गया

प्रयागराज। (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव योगी सरकार द्वारा अपहृत कर लिया गया है। यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी के जिला पंचायत सदस्य कहां जाएंगे, किस पार्टी को मत देंगे, इसकी मैं कोई गारंटी नहीं ले सकता। बुलंदशहर में हमारी पार्टी के तीन सदस्यों पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया और दबाव बनाया।'' उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार 25 जिलों में निर्विरोध जिला पंचायत अध्यक्ष चुने गए। आज तक उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं हुआ। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को मार-मार कर भगा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आठ जुलाई से आठ अगस्त तक पूरे उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू हो रहा है। इसमें 403 विधानसभा क्षेत्रों में एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य हमने रखा है। पार्टी ने 403 विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी बनाए हैं और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 25,000 सदस्य बनाने का लक्ष्य हमने रखा है। संजय सिंह की उपस्थिति में भाजपा की मनरेगा सेल की अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) और भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता सुष्मिता राघव अपने समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हुईं।

मायावती बोली भाजपा कांग्रेस के नक्शेकदम पर न चले , युवाओं को रोजगार दे

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मुखिया मायावती ने गुरूवार को रोजगार को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा कांग्रेस के नक्शेकदम पर न चले, युवाओं को रोजगार दें। यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गुरुवार को सिलसिलेवार तीन ट्वीट किया है। उन्होंने कहा, यूपी के साथ देश भर में करोड़ों युवा व शिक्षित बेरोजगार अब सड़क के किनारे पकौड़े बेच रहे हैं। इतना ही नहीं, वो जीवनयापन के लिए मजदूरी आदि करने को भी मजबूर हैं। उनके मां-बाप व परिवार जो यह सब देख रहे हैं उनकी व्यथा को समझा जा सकता है, यह दुःखद, दुर्भाग्यपूर्ण व अति-चिन्ताजनक। बसपा मुखिया मायावती ने कहा, बीएसपी देश में नौजवानों के लिए ऐसी भयावह स्थिति पैदा करने के लिए केंद्र में भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस को भी बराबर की जिम्मेदार मानती है। कांग्रेस ने लम्बे अरसे तक यहां एकछत्र राज किया। अपने कार्यकलापों की भुक्तभोगी बनकर कांग्रेस केंद्र के साथ उत्तर प्रदेश और काफी राज्यों की भी सत्ता से बाहर हो गई। उन्होंने कहा, यदि भाजपा भी अब कांग्रेस पार्टी के नक्शेकदम पर ही चलती रही तो फिर इस पार्टी की भी वही दुर्दशा होगी, जो कांग्रेस की हो चुकी है।

बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा पर जवाब दाखिल करेंगे केंद्र, चुनाव आयोग और ममता सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की अदालत की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की पीठ ने लखनऊ की वकील रंजना अग्निहोत्री और एक अन्य व्यक्ति की याचिका पर केंद्र, चुनाव आयोग और साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिकाकताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने दलील दी कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा 2 मई को विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 15 भाजपा कार्यकर्ताओं या उनके समर्थकों की हत्या कर दी गई और महिलाओं का अपहरण और दुष्कर्म किया गया। अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, प्रशासन और पुलिस टीएमसी के उन राजनीतिक कार्यकर्ताओं का समर्थन कर रहे हैं। इस कारण से महिलाओं का जीवन, स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा एवं सम्मान छीना

जा रहा है। जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट है कि कई लोगों को नुकसान पहुंचाया गया है, कत्ल किया गया है, बेरहमी से हत्या कर दी गई और लड़कियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया। उनकी सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। याचिका में कहा गया है कि हिंसा, लूट, हत्याओं और आतंक के परिणामस्वरूप, हिंदुओं को सामूहिक रूप से अपने गांव छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा और यह स्थिति 1990 में कश्मीर से हिंदुओं के सामूहिक पलायन के समान रही है। याचिकाकताओं ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की भी मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि भाजपा का समर्थन करने के बदले में मुसलमानों द्वारा हजारों नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है, जिनमें ज्यादातर हिंदू हैं। याचिका में कहा गया है, इन परिस्थितियों में न्यायालय के तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है और न्यायालय विरोधी पक्षों को आदेश जारी कर सकता है, ताकि पश्चिम बंगाल सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुसार कार्य करे । निरंतर उल्लंघन के मामले में भारत सरकार को संविधान के अनुच्छेद 355 और 356 के तहत उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। याचिकाकताओं ने दलील दी है कि हिंदुओं के प्रति आतंक के माहौल, उथल-पुथल, भय, अशांति और दमन के बावजूद दुर्भाग्य से केंद्र ने बिना किसी अनुवर्ती कार्रवाई के केवल रिपोर्ट मांगने की रस्म का ही पालन किया है। याचिका में केंद्र और राज्य को असम में प्रवास करने के लिए मजबूर लोगों के पुनर्वास और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सशस्त्र बलों या अर्धसैनिक बलों को तैनात करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

असम सीएए विरोधी प्रदर्शन: एनआईए ने अखिल गोगोई को सभी आरोपों से बरी किया

गुवाहाटी। असम में दिसंबर 2019 में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शनों में विधायक अखिल गोगोई की कथित संलिप्तता के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा उन्हें सभी आरोपों से बरी किए जाने के बाद गोगाई बृहस्पतिवार को रिहा हो गए। विधायक इस मामले में डेढ़ वर्ष से ज्यादा समय से कैद में थे। गोगोई शिवसागर विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक हैं और एनआईए द्वारा उनकी रिहाई के आदेश गुवाहाटी केन्द्रीय कारागार भेजे जाने के उपरांत उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से रिहा कर दिया गया। गोगोई का अनेक बीमारियों का यहां उपचार चल रहा था। रिहा होने के बाद राइजोर दल के प्रमुख ने कहा,'' आखिरकार सत्य की जीत हुई, हालांकि मुझे सलाखों के पीछे रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई।'' उन्होंने कहा कि घर में सामान रखने के बाद वह ''सीएए के पहले शहीद'' सैम स्टैफोर्ड के गुवाहाटी के हाथीगांव स्थित घर जाएंगे। गोगोई ने कहा,'' वहां से मैं कृषक मुक्ति संग्राम समिति और रायजोर दल के कार्यालय जाऊंगा।

कोरोना से जान गंवाने वाले डॉक्टरों की याद में बेंगलुरु में बनेगा कोविड स्मारक

बेंगलुरु। कोरोना वायरस जनित महामारी से मुकाबले के दौरान ''शहीद'' होने वाले डॉक्टरों और चिकित्साकर्मियों के सम्मान में बेंगलुरु में अपने तरह का पहला 'कोविड योद्धा स्मारक' स्थापित किया जाएगा। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री डॉ के. सुधाकर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में सुधाकर ने कहा, ह्णहमारे आरोग्य सौध परिसर में, अपनी सेवा देते हुए कोविड से जान गंवाने वाले डॉक्टरों के सम्मान में, हम एक स्मारक का निर्माण करेंगे।

भूमाफियाओं के कब्जे से छुड़ाई जमीन पर स्कूल का शिलान्यास: सिसोदिया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने दक्षिण पश्चिम दिल्ली के नसीरपुर गांव में गुरुवार को एक नए स्कूल का शिलान्यास किया। सिसोदिया ने कहा कि इस जमीन पर भूमाफिया ने कब्जा किया हुआ था। अब प्रशासन ने इस जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, जिस जमीन पर स्कूल का शिलान्यास हुआ वह जमीन पहले ग्राम सभा की थी। बाद में डीडीए ने इस जमीन को एक्वायर कर दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग को अलॉट की थी। जमीन 2007 में डीडीए से शिक्षा विभाग को मिली। लेकिन इस जमीन पर भूमाफिया ने कब्जा किया हुआ था। अब प्रशासन ने इस जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, यहां 2500 बच्चों के लिए वर्ल्डक्लास सुविधाओं वाला शानदार स्कूल बनाने का काम शुरू किया जा रहा है। सरकार 9 महीने के भीतर इस जमीन पर एक शानदार स्कूल बिल्डिंग का निर्माण करेगी। इसमें पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के लिए खेल संबंधी सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस स्कूल में स्विमिंग पूल और स्पोर्ट्स फैसिलिटीज भी बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अगले शैक्षणिक सत्र से यहां बच्चे पढ़ना भी शुरू कर देंगे। यहां से पास के स्कूल में 6000 बच्चे पढ़ते हैं। नए स्कूल का निर्माण होने पर उस स्कूल पर दबाव कम होगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को लगातार दूसरे हफ्ते स्वास्थ्य मंत्री व पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर सतेंद्र जैन के साथ दिल्ली में बन रहीं नई स्कूल बिल्डिंग्स का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। उपमुख्यमंत्री ने दक्षिण-पश्चिमी जिले के 3 स्कूलों (गवर्मेंट को-एड एसवी, दिचाऊं कलां, जीबीएसएसएस, दिचाऊं कलां और गवर्मेंट को-एड एसएस, सेक्टर-16, द्वारका) का दौरा किया। दिचाऊं कलां में नए क्लासरूम ब्लॉक में 20 नए कक्षाओं का निर्माण किया जा रहा है। गवर्मेंट को-एड एसएस, सेक्टर-16 द्वारका में 28 कक्षाओं के ब्लॉक का निर्माण कार्य चल रहा है। इन सभी स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्य जुलाई के अंत तक पूरे हो जाएंगे।

सेना प्रमुख नरवणे का बयान, ड्रोन के खतरों से निपटने के लिए क्षमताएं विकसित कर रही है भारतीय सेना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने बृहस्पतिवार को कहा कि ड्रोन की आसानी से उपलब्धता ने सुरक्षा चुनौतियों की जटिलता बढ़ा दी है और भारतीय सेना खतरों से प्रभावी तरीके से निपटने की क्षमताएं विकसित कर रही है चाहे ये खतरे देश प्रायोजित हों या देशों ने खुद पैदा किए हों। एक विचार समूह (थिंक टैंक) में दिए गए संबोधन में जनरल नरवणे ने कहा कि सुरक्षा प्रतिष्ठान चुनौतियों से अवगत हैं और इनसे निपटने के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, ''हम खतरे से निपटने के लिए क्षमताएं विकसित कर रहे हैं, चाहे ये खतरे देश प्रायोजित हों या खुद देशों ने पैदा किए हों। हम गतिज और गैर गतिज क्षेत्र दोनों में ड्रोन खतरे से निपटने की क्षमताएं विकसित कर रहे हैं।'' जनरल नरवणे से जम्मू वायु सेना स्टेशन पर हाल में हुए ड्रोन हमले के बारे में पूछा गया था। जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर हालात पर सेना प्रमुख ने कहा कि भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच फरवरी में हुए संघर्ष विराम समझौते के बाद नियंत्रण रेखा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कोई घुसपैठ न होने के कारण कश्मीर में आतंकवादियों की संख्या कम है और आतंकवाद से संबंधित घटनाएं भी कम हुई हैं। उन्होंने कहा, ''हमेशा ऐसे तत्व रहेंगे जो शांति और विकास की प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश करेंगे, हमें इसका ध्यान रखना होगा।'' हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। जनरल नरवणे ने कहा, ''हमारा जम्मू कश्मीर में आतंकवाद रोधी और घुसपैठ रोधी मजबूत तंत्र है तथा शांति एवं सामंजस्य सुनिश्चित करने का हमारा अभियान जारी रहेगा।

सार समाचार

अफगान में हुए हवाई हमले में 33 आतंकवादी ढेर

काबुल। अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत के कलदार और शोर्टेपा जिलों में तालिबान के अड्डे पर हुए हवाई हमले में कुल 33 आतंकवादी मारे गए। सेना के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी ने प्रवक्ता के हवाले से कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए लड़ाकू विमानों ने बुधवार दोपहर अशांत जिलों के कुछ हिस्सों में तालिबान को निशाना बनाया, जिसमें 33 विद्रोही मारे गए और 19 अन्य घायल हो गए। हवाई हमले के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट किया गया। 1 मई को अफगानिस्तान से अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना की वापसी की शुरूआत के बाद से तालिबान आतंकवादियों ने 70 से अधिक जिलों पर कब्जा कर लिया है।

भारत ने ईरान से अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग करने का किया आग्रह

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम से संबंधित सत्यापन गतिविधियों और सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ सहयोग जारी रखने को कहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने ईरान परमाणु मुद्दे पर प्रस्ताव 2231 (2015) के कार्यान्वयन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि भारत संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) और प्रस्ताव 2231 के पूर्ण तथा प्रभावी कार्यान्वयन का समर्थन करता है। जेसीपीओए को ईरान परमाणु समझौते के तौर पर जाना जाता है। जेसीपीओए 14 जुलाई 2015 को ईरान तथा चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी के बीच विएना में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हुआ एक समझौता है। अमेरिका के मई 2018 में इस समझौते से अलग होने के बाद इसके भविष्य पर सवाल खड़े होने लगे। तिरुमूर्ति ने कहा, ''हमने हमेशा कहा है कि जेसीपीओए से संबंधित सभी मुद्दे संवाद और कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से हल होने चाहिए और हमने उन सभी प्रयासों को अपना समर्थन दिया है जो लंबित मुद्दों को सार्थक तरीके से हल करने में मदद करें।'' उन्होंने कहा कि सभी पक्षकारों को इस प्रस्ताव के तहत अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अनुरोध करता है कि ईरान अपनी सत्यापन गतिविधियों और सभी लंबित मुद्दों को हल करने के लिए आईएईए के साथ सहयोग करता रहे।

दुनियाभर में टीके वितरित करने के अपने लक्ष्य से पीछे चल रहा है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन दुनियाभर में जून के अंत तक कोरोना वायरस रोधी आठ करोड़ टीके देने के अपने लक्ष्य से बहुत पीछे चल रहे हैं और कई साजोसामान और नियामक संबंधी बाधाओं ने अमेरिकी की टीका कूटनीति की गति धीमी कर दी है। बाइडेन प्रशासन ने घोषणा की थी कि करीब 50 देशों को कोविड-19 रोधी टीके दिए जाएंगे लेकिन 'एसोसिएटेड प्रेस'की गणना के अनुसार, अमेरिका ने 10 देशों को 2.4 करोड़ से भी कम टीके भेजे हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि आगामी दिनों में और टीके भेजे जाएंगे और उसने कहा कि बाइडन ने अपने वादे को पूरा करने के लिए हरसंभव कदम उठाया है। व्हाइट हाउस ने बताया कि टीकों की कमी नहीं है। सभी अमेरिकी टीके भेजे जाने के लिए तैयार हैं। लेकिन कानूनी औपचारिकताओं, स्वास्थ्य संहिता, सीमा शुल्क मंजूरी, कोल्ड स्टोरेज श्रृंखलाएं, भाषायी बाधाएं और वितरण कार्यक्रम की जटिलता के चलते अधिक वक्त लग रहा है। उसने कहा कि किसी देश को टीके दान देने के लिए अपने मंत्रिमंडल की मंजूरी की आवश्यकता होती है, किसी को अमेरिकी टीकों के लिए सुरक्षा जांच के लिए निरीक्षकों की आवश्यकता होती है और कुछ देशों ने अभी टीका वितरण की योजनाएं ही नहीं बनायी है जिससे यह सुनिश्चित हो कि टीके बर्बाद होने से पहले सही हाथों में पहुंचे।

सोशल मीडिया पर डॉक्टर ने की इस्लाम और मुसलमानों पर आपत्तिजनक टिप्पणी, मामला दर्ज

सिंगापुर। इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने चिकित्सक खो क्वांग पो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। डॉ. खो क्वांग पो हाल ही में एक पत्र लिखने के बाद चर्चा में आए थे, जिसमें युवाओं के लिए सिंगापुर के कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम को रोकने का आह्वान किया गया था। डॉ. क्वांग इस पत्र के सह लेखक थे। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की एक खबर के अनुसार, फेसबुक पर लिखी पोस्ट के सिलसिले में पुलिस ने चिकित्सक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। वहीं, डॉ. खो क्वांग पो ने पुलिस में शिकायत की जानकारी ना होने की बात कहते हुए मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। खबर के अनुसार, हाल ही में कई वेबसाइट पर मुसलमानों और इस्लाम पर टिप्पणी करने वाले डॉ. खो के कथित फेसबुक पोस्ट के 'स्क्रीनशॉट' प्रकाशित हुए थे। पिछले साल एक पोस्ट में खो ने कथित तौर पर कहा था कि मुसलमानों से बहुत अधिक हिंसा जुड़ी है। 2019 की एक पोस्ट में उन्होंने सवाल उठाया था कि इस धर्म (इस्लाम) को आलोचकों से बचाव की जरूरत क्यों है? गौरतलब है कि डॉ. खो ने हाल ही में फेसबुक पर सिंगापुर की कोविड-19 टीकाकरण पर बनी विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर बेंजामिन ओंग को एक पत्र लिखा था। इस पत्र पर चार अन्य चिकित्सकों ने भी हस्ताक्षर किए थे। अमेरिका में 'एमआरएनए' टीके की दूसरी खुराक लेने के बाद 13 वर्षीय लड़के की कथित तौर पर हृदयगति रुकने से मौत के मामले की जांच 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन' द्वारा शुरू करने की पृष्ठभूमि में चिकित्सकों ने सिंगापुर में युवाओं का टीकाकरण बंद करने की मांगी की थी। कोविड-19 टीकाकरण पर सिंगापुर की विशेषज्ञ समिति ने चिकित्सकों द्वारा लिखे गए खुले पत्र के जवाब में कहा कि कोविड-19 रोधी 'एमआरएनए' टीके के लाभ उसके जोखिम से कहीं अधिक हैं। समिति ने कहा था कि पत्र में जिस 13 वर्षीय लड़के की मौत का जिक्र किया गया है, उसकी मौत के कारण की सार्वजनिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है और अमेरिकी अधिकारी अभी उस मामले की जांच कर रहे हैं।

कनाडा और अमेरिका में गर्मी के टूटे सभी रिकॉर्ड, 60 से अधिक लोगों की हुई मौत

सालेम (अमेरिका)। (एजेंसी)।

कनाडा और अमेरिका के ओरेगन तथा वाशिंगटन में भीषण गर्मी पड़ रही है और वहां गर्मी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ओरेगन के स्वास्थ्य अधिकारी ने बुधवार देर रात बताया कि गर्मी के कारण 60 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है और राज्य की सबसे बड़ी काउंटी मुल्टनोमा में शुक्रवार से लू चलने के बाद से 45 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, कनाडा के पश्चिमी प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया के मुख्य कोरोनर लीसा लैपोइते ने बताया कि उनके कार्यालय को शुक्रवार से बुधवार को दोपहर एक बजे के बीच कम से कम 486 लोगों की ''अचानक और प्रत्याशित तरीके से मौत'' होने की खबरें मिली हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, ''हालांकि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि इनमें से कितनी मौत गर्मी की वजह से हुई लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि अत्यधिक गर्मी के कारण मौत की संख्या बढ़ रही है।'' वैंकूवर के पुलिस सर्जेंट स्टीव एडिसन ने एक बयान में कहा, ''वैंकूवर में कभी इस तरह की गर्मी नहीं पड़ी और दुखद यह है कि इसके कारण दर्जनों लोग मर रहे हैं।'' वाशिंगटन राज्य प्राधिकारियों ने गर्मी के कारण 20 से अधिक लोगों के मरने की खबर दी है लेकिन यह संख्या बढ़ सकती है। मौसम विज्ञानियों ने उत्तरपश्चिम पर अत्यधिक दबाव बढ़ने और मानव निर्मित जलवायु परिवर्तन को इस गर्मी की वजह बताया है। सिएटल, पोर्टलैंड और कई अन्य शहरों में गर्मी के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं और कुछ स्थानों पर पारा 46 डिग्री सेल्सियस से पार चला गया है। हालांकि पश्चिमी वाशिंगटन, ओरेगन और ब्रिटिश कोलंबिया में तापमान थोड़ा कम हुआ है लेकिन अंदरुनी क्षेत्रों में अब भी भीषण गर्मी पड़ रही है। कनाडा के दक्षिण अल्बर्टा और सस्काचवान और वाशिंगटन, ओरेगन, इडाहो और मोंटाना में गर्मी की चेतावनी जारी की गयी है। ओरेगन की मुल्टनोमा काउंटी के मेडिकल परीक्षक ने 45 लोगों की मौत हाइपरथर्मिया यानी शरीर का तापमान असामान्य रूप से बढ़ने के कारण बतायी। इनकी आयु 44 से 97 वर्ष के बीच की थी। इस काउंटी के तहत पोर्टलैंड भी आता है। काउंटी ने बताया कि ओरेगन में 2017 और 2019 के बीच हाइपरथर्मिया से केवल 12 लोगों की मौत हुई थी। किंग काउंटी के मेडिकल परीक्षक कार्यालय ने बताया कि गर्मी के कारण कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी। इनकी आयु 61 से 97 वर्ष के बीच थी। पूर्वी वाशिंगटन में स्पोकेन दमकल विभाग को बुधवार को एक अपार्टमेंट में दो लोग मृत मिले जिनकी मौत गर्मी की वजह से होने की आशंका है।

चीन से दोस्ती और मजबूत करेगा तानाशह किम जोंग, कम्युनिस्ट पार्टी के 100 साल पूरे होने पर दी बधाई

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपने मुख्य सहयोगी चीन के साथ संबंधों को और आगे ले जाने के प्रयास करेंगे। किम ने यह टिप्पणी ऐसे समय पर की है जब वह वैश्विक महामारी कोविड-19 संबंधी संकट से देश को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की स्थापना के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को बधाई देते हुए किम ने यह कहा। उन्होंने कहा, ''चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मजबूत एकजुटता बनाकर रखते हुए वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया , उत्तर कोरिया एवं चीन के बीच मित्रता को एक नए रणनीतिक मुकाम तक ले जाएगी जो आज के वक्त की जरूरत भी और यह दोनों देशों के लोगों की आकांक्षा भी है।'' किम ने अमेरिका के संदर्भ में कहा कि 'दुश्मन बलों' के विद्वेषपूर्ण आरोपों और चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी पर हर ओर से डाला जा रहा दबाव अंतिम बचे प्रयास से अधिक नहीं है और ये चीन के लोगों के विकास पर रोक नहीं लगा सकते हैं। एक दिन पहले ही किम ने पोलितब्यूरो की बैठक में कहा था कि वायरस रोधी अभियान में बड़ी खामियों ने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि इसके पीछे उनका उद्देश्य टीकों की मांग समेत अंतरराष्ट्रीय सहायता का आह्वान करना था। कोरोना वायरस संबंधी पाबंदियों के कारण उत्तर कोरिया की पहले से लचर अर्थव्यवस्था और भी संकट में आ गई। किम पहले भी कह चुके हैं कि उनका देश सबसे खराब हालात का सामना कर रहा है। बुधवार को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा था कि चीन जरूरत पड़ने पर उत्तर कोरिया को सहायता भेज सकता है।

कश्मीर पर अपने फैसले से हटने तक पाकिस्तान भारत से संबंध बहाल नहीं करेगा: इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को कहा कि जब तक भारत, जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा हटाने के अपने फैसले को वापस नहीं लेता तब तक पाकिस्तान पड़ोसी देश के साथ राजनयिक संबंध बहाल नहीं करेगा। भारत ने पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। खान ने नेशनल असेंबली को अपने संबोधन में कहा, ''मैं साफ कर देना चाहता हूं कि जब तक भारत पांच अगस्त 2019 के गैरकानूनी कदमों को वापस नहीं लेता है तब तक उसके साथ राजनयिक संबंध बहाल नहीं होगा।''खान ने कहा कि ''समूचा पाकिस्तान अपने कश्मीरी भाइयों और बहनों के साथ खड़ा है।'' उनका यह बयान दोनों देशों के बीच अनौपचारिक बातचीत की खबरों के बीच आया है जिसके बाद फरवरी में नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम हुआ। हालांकि संबंधों को सामान्य करने के लिए और कोई गतिविधि की सूचना नहीं है। जम्मू कश्मीर से विशेष दर्जा हटाये जाने के बाद से पाकिस्तान ने भारत के साथ कारोबार स्थगित कर दिया था और दोनों देशों के बीच संबंध निचले स्तर पर पहुंच गये थे।

ट्विटर और केंद्र में खींचतान के बीच एस जयशंकर का बड़ा बयान, कहा- टेक कंपनियां जिम्मेदारी से नहीं बच सकतीं

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

30 जून (आईएएनएस)। भारत ने साइबर स्पेस केभारत सरकार और सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर के बीच इन दिनों विवाद चल रहा है। ऐसे में टेक कंपनियों को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि बड़ी टेक कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकतीं। एस जयशंकर ने कहा कि इस मुद्दे पर बहस जरुरी है और यह ऐसी चीज है जिसे दबाया नहीं जा सकता। विदेश मंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर विश्व के अन्य हिस्सों में बहस होती रही है। हालांकि उन्होंने मानवीय प्रगति में तकनीक की भूमिका को स्वीकार किया है लेकिन लोकतांत्रिक समाज के लिए बहसों पर भी जोर दिया है। उनका कहना है कि इन कंपनियों की जिम्मेदारी पर बहस जरुरी है। बता दें कि जब से भारत सरकार ने नया आईटी नियम लागू किया है तब से ही केंद्र और ट्विटर के बीच खींचतान चली आ रही है।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर के ट्विटर अकाउंट लॉक का मांगा जवाब

इस विवाद के बीच सूचना एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने ट्विटर से केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर के अकाउंट को लॉक किए जाने को लेकर जवाब मांगा। ट्विटर पूछा गया है कि यह अकाउंट क्यों बंद किए गए थे और दो दिन में जवाब देने को कहा है। रविशंकर प्रसाद ने अपना ट्विटर अकाउंट लॉक होने की जानकारी खुद दी थी। उन्होंने लिखा हैलो दोस्तों आज कुछ बहुत ही अनूठा हुआ। ट्विटर ने अमेरिका के डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट अधिनियम के कथित उल्लंघन के आधार पर लगभग एक घंटे तक मेरे अकाउंट तक पहुंच को रोका और बाद में मुझे इसके उपयोग की अनुमति दी।

भारत के नक्शे के साथ की छेड़छाड़

वहीं आपको बता दें कि ट्विटर ने हाल ही में भारत के नक्शे के साथ भी छेड़छाड़ की है जिसको लेकर मुद्दा गरमाया हुआ है। दरअसल ट्विटर ने भारत के नक्शे में छेड़छाड़ करते हुए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग देश दिखाया था।

पकड़ी गई चीन की चोरी! भारत के लड़ाकू विमान 'तेजस' के जरिए दिखा रहा था अपनी ताकत, बाद में वीडियो किया डिलीट

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने जहां अपनी 100वीं वर्षगांठ मना रही है। वहीं उनका सरकारी टीवी चैनल सीजीटीएन की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल चीनी टीवी चैनल ने भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस का एक वीडियो चोरी कर चीनी फाइटर जेट छ्न-10 का बताया। इस वीडियो के जरिए सीजीटीएन चीन की ताकत को दिखा रहा था। लेकिन उन्हीं की किरकिरी हो गई।

सीजीटीएन को जैसे ही इस बात का अंदाजा हुआ कि उन्होंने भारतीय लड़ाकू विमान तेजस का वीडियो साझा कर दिया है। जिसके बाद उन्होंने अपना वीडियो डिलीट कर दिया। दरअसल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के 100 साल पूरे होने पर सीजीटीएन ने एक वीडियो बनाया है। जिसमें तेजस को बम गिराते हुए दिखाया गया। जिसके बाद स्क्रीनशॉट्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर छा गए।

इंटरनेट की दुनिया में अब कुछ भी छिपता नहीं है। भले ही चीनी सरकारी चैनल ने वीडियो को हटा दिया हो लेकिन उसके स्क्रीनशॉट्स सोशल मीडिया में छाए हुए हैं और उनकी जमकर किरकिरी हो रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारतीय लड़ाकू विमान 'तेजस' का वीडियो साल 2013 का है। इस दौरान तेजस की मिसाइलों का परीक्षण किया गया था।

अमेरिका कैपिटल हमला: सदन ने विशेष जांच समिति के गठन की मंजूरी दी

कैनबरा (एजेंसी)।

वाशिंगटन। यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) पर इस वर्ष छह जनवरी को हिंसक भीड़ के हमले की नई जांच शुरू होगी, सदन ने विशेष समिति को उस घटना की जांच करने की मंजूरी दे दी और इस दौरान वे पुलिस अधिकारी सदन में मौजूद थे जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों से झड़प में घायल हो गए थे। समिति के गठन की मंजूरी 190 के मुकाबले 222 मतों से दी गई। रिपब्लिकन पार्टी के दो सदस्यों को छोड़कर बाकी सभी ने इस बात पर आपत्ति जताई कि समिति के अधिकतर सदस्य डेमोक्रेटिक पार्टी से होंगे। इससे पहले सीनेट में रिपब्लिकन सदस्यों ने स्वतंत्र आयोग के गठन को रोक दिया था। मतदान से पहले सदन की अध्यक्ष डेमोक्रट नैंसी पेलोसी ने सांसदों से कहा कि वह चाहती थीं कि इस मामले की जांच एक स्वतंत्र समिति करे लेकिन कांग्रेस 200 साल से भी अधिक समय में कैपिटल पर हुए हमले की गहराई से जांच के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। मतविभाजन के वक्त दंगाईयों से निबटने वाले अनेक पुलिस अधिकारी मौजूद थे, यहां उस हमले में जान गंवाने वाले एक पुलिस अधिकार के परिजन भी थे। वाशिंगटन के मट्रोपोलिटन पुलिस के अधिकारी माइकल फानोन ने रिपब्लिकन सदस्यों द्वारा मामले की जांच के खिलाफ मतदान करने पर नाराजगी जताई। समिति बनाने के पक्ष में केवल दो रिपब्लिकन सदस्यों ने मतदान किया जिनमें से एक हैं लिज छेने जिन्होंने ट्रंप की आलोचना करने पर जीओपी के नेतृत्व में अपना स्थान खो दिया था। सदन में रिपब्लिकन पार्टी के नेता केविन मैक्कर्थी ने कहा कि समिति की अगुवाई डेमोक्रेट सदस्य करेंगे क्योंकि इसके अध्यक्ष एवं 13 में से कम से कम आठ सदस्यों की नियुक्ति पेलोसी करेंगी। उल्लेखनीय है कि यूएस कैपिटल में हजारों ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल बिल्डिंग में घुसकर संसद के संयुक्त सत्र को बाधित करने की कोशिश की थी। संवैधानिक प्रक्रिया के तहत संयुक्त सत्र में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन की जीत की पुष्टि होनी थी।

अमेरिका में समर्थन जुटाने के प्रयास तेज करते दिख रहा है पाकिस्तान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को पूरी तरह वापस बुलाने की प्रक्रिया तेज करने के बीच पाकिस्तान अपने लिए समर्थन जुटाने और अमेरिका के साथ अपने संबंधों को पुनर्- परिभाषित करने के लिए यहां जन संपर्क की कोशिशों को तेज करता प्रतीत हो रहा है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2016 के चुनाव प्रचार अभियान के पूर्व कांग्रेसनल संपर्क अधिकारी अब अमेरिका में पाकिस्तानी हितों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अदनान जलील ने 'काउंसिल ऑन पाकिस्तान रिलेशन्स' के लिए लॉबिस्ट के तौर पर अपनी कंपनी 'अल्फा स्ट्रैटेजीज' पंजीकृत करायी है।

'काउंसिल ऑन पाकिस्तान रिलेशन्स' एक गैर लाभकारी परिषद है जिसकी शुरुआत मिशिगन के पाकिस्तानी-अमेरिकी स्वास्थ्य देखभाल उद्यमियों मोहम्मद अशरफ काजी, अदिल जमाल अख्तर और इकबाल अब्दुल नासिर ने की थी। जलील 'पाकिस्तान-अफगानिस्तान आर्थिक विकास कानून' पारित कराने के पक्ष में समर्थन जुटा रहे हैं। यह द्विदलीय विधेयक सीनेटर क्रिस वान होलेन, टॉड यंग और मारिया कैंटवेल ने पेश किया है। इस विधेयक में अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में पुनर्निर्माण अवसर क्षेत्र की स्थापना का प्रावधान है जिससे इन इलाकों के कपड़ों को अमेरिका में कर रहित आने की अनुमति मिल जाएगी। वान होलेन ने एक बयान में कहा, ''अमेरिकी सेना के अफगानिस्तान से लौटने के मद्देनजर हमारा सभी पक्षकारों से शांतिपूर्ण समझौता करना तथा राजनीतिक सुलह करने के लिए बढ़ावा देने का मजबूत हित है जिससे इस युद्धग्रस्त क्षेत्र में स्थिरता कायम की जा सके।'' इस महीने की शुरुआत में वाशिंगटन स्थित जन संपर्क कंपनी फेंटन/आरलुक विदेश एजेंट पंजीकरण कानून (एफएआरए) के तहत परिषद के लिए पंजीकृत हुई और उसका उद्देश्य ''अमेरिकी तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया को पाकिस्तान तथा अमेरिका के बीच रचनात्मक कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों के लिए परिषद की आकांक्षा के बारे में सूचित करना है।'' एफएआरए के तहत पंजीकरण के अनुसार, इसकी गतिविधियां पाकिस्तान तथा अमेरिका के बीच सकारात्मक कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों की महत्ता पर अमेरिकी तथा वैश्विक मीडिया के साथ संवाद करने तक सीमित होंगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने हाल में कहा है कि उनका देश अफगानिस्तान से अमेरिका के जाने के बाद वाशिंगटन के साथ ''सभ्य'' और ''निष्पक्ष'' संबंध चाहता है जैसे ''अभी'' और ब्रिटेन या भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते हैं।

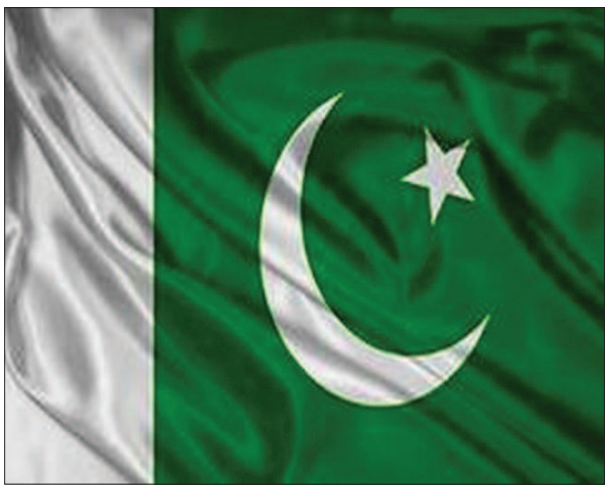

संपादकीय

यथोचित मुआवजा

कोरोना से जान गंवाने वालों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया है, वह स्वागतयोग्य है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को साफ निर्देश दिया है कि वह कोविड-19 से मरने वालों के परिवारों को अनुग्रह राशि का भुगतान करने के लिए छह हफ्ते के भीतर दिशा-निर्देश तैयार करे। वास्तव में, केंद्र सरकार किसी मुआवजे के पक्ष में नहीं थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसके उलट फैसला दिया है। वैसे अदालत ने सावधानी बरतते हुए अपनी ओर से मुआवजे की कोई राशि तय नहीं की है और यह काम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिम्मे छोड़ दिया है। ध्यान रहे, किसी-किसी कोरोना मरीज के उपचार में दस-दस, बीस-बीस लाख रुपये तक खर्च हुए हैं। मृतकों के परिजनों ने ऑक्सीजन, अस्पताल बिस्तर व दवाओं के मोर्चे पर बहुत ही बुरे और महंगे दौर को भारी मन से झेला है। जो जान चली गई, उसकी भरपाई संभव नहीं, पर इलाज की वजह से कर्ज का जो बोझ बढ़ा है, परिवारों की गरीबी बढ़ी है, उसके मद्देनजर ही मुआवजा तय होना चाहिए। गौरतलब है कि बिहार सरकार पहले से ही कोरोना मृतकों के आश्रित परिजनों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा दे रही है। इतना मुआवजा जब अपेक्षाकृत कम बजट रखने वाली बिहार सरकार दे सकती है, तब दूसरे राज्य और कम से कम केंद्र सरकार को इससे ज्यादा ही मुआवजा तय करना चाहिए। खैर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से इतना तो तय है कि आगामी समय में पीड़ित परिजनों को कुछ तो राहत हासिल होगी। याचिकाकर्ताओं ने बिल्कुल सही मांग की है कि केंद्र और राज्यों को कोरोना से जान गंवाने वालों के परिवारों को कानून के तहत चार-चार लाख रुपये का मुआवजा देने और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक समान नीति की पालना करनी चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि मुआवजा विवेकपूर्ण और न्यायपूर्ण ढंग से वितरित होना चाहिए। तरह-तरह के मापदंड बनाकर किसी को इससे वंचित करना अनुचित होगा। एक समय ऐसा आया था, जब अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में मरीजों को बिस्तर नहीं मिल रहे थे, ऑक्सीजन का भयानक अभाव था, दवाओं की कालाबाजारी सरकारों की पकड़ से बाहर थी, तब बड़ी संख्या में मरीजों ने जान बचाने के लिए पड़ोसी राज्यों का रुख किया। अब बिहार सरकार के नए आदेश के अनुसार, राज्यवासियों को बिहार से बाहर मौत पर कोरोना अनुदान नहीं मिलेगा। यह आदेश क्या बिहार में चिकित्सा सेवाओं की जमीनी हकीकत के खिलाफ नहीं है? यह नियम देश में चले, तब तो नोएडा, गाजियाबाद से इलाज के लिए दिल्ली गए लोगों को उनके राज्य में मुआवजा नहीं मिल सकेगा? बिहार से बनारस या गोरखपुर या रांची गए मरीजों को मुआवजा नहीं मिल पाएगा? क्या हमने कभी सोचा है कि ये मरीज अपने राज्य से दूर इलाज कराने क्यों गए? मुआवजे के लिए अपने घर या राज्य में रहकर मरने की कथित अनिवार्यता कितनी जायज है? राज्य सरकारें अगर ऐसे नियम बनाएंगी, तो देश में बड़ी संख्या में ऐसे परिजन होंगे, जो मुआवजे से वंचित रह जाएंगे और समाज में गलत संदेश जाएगा। अतः मुआवजा तय करते और देते समय यह ध्यान रखना होगा कि किसी के साथ अन्याय न हो। फिर भी बुनियादी सवाल यही है कि प्रदेश-देश में इलाज और उसके संसाधनों का अभाव क्यों हुआ?

शिक्षा एक अवसर

गिरीश्वर मिश्र

कोविड की महामारी का भारत के सामाजिक जीवन और व्यवस्था पर सबसे गहन और व्यापक प्रभाव देश की शिक्षा व्यवस्था के संचालन को लेकर दिख रहा है जो मानव संसाधन के निर्माण के साथ ही युवा भारत की सामर्थ्य और देश के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। देश ने बड़े दिनों बाद शिक्षा में सुधार का व्यापक संकल्प लिया था और उसकी रूप रेखा बनाई थी, उसके कार्यान्वयन में अतिरिक्त विलम्ब हो रहा है। नई शिक्षा नीति के प्राविधान इक्कीसवीं सदी में भारतीय शिक्षा की उड़ान के लिए पंख सदृश कहे जा सकते हैं परन्तु सब पर (अल्प) विराम लग गया है। कोविड के बाध्यकारी दबाव के परिणाम तात्कालिक रूप से बाधक हैं पर उसके कुछ पहलू तो अनिवार्य रूप से दूरगामी असर डालेंगे। बचाव और स्वास्थ्य की रक्षा की दृष्टि से तात्कालिक कदम के रूप में शैक्षिक संस्थानों को प्रत्यक्ष भौतिक संचालन से मना कर दिया गया और कक्षा की पढ़ाई और परीक्षा जहां भी संभव था आभासी (वर्चुअल) माध्यम से शुरू की गई। जहां ये साधन नहीं थे वहां औपचारिक पढ़ाई लगभग बंद सी हो गई थी। इस व्यवधान के चलते आए बदलाव को हुए अब दो साल के करीब होने को आए। स्वाभाविक रूप से बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए शिक्षा केंद्र में विद्यार्थी की भौतिक उपस्थिति विविध प्रकार की सीखने के अवसर और चुनौतियां देती रहती है जो उसके समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी खुराक होती है। परन्तु इस महामारी के बीच विद्यालय की अवधारणा ही बदल गई। बहुत से विद्यार्थी आनलाइन प्रवेश, आनलाइन शिक्षा और आनलाइन परीक्षा से गुजरने को बाध्य हो गए। शिक्षा-केंद्र विद्यार्थी और शिक्षक से भौतिक रूप से दूर तो हुए ही पर उनके विकल्प में मोबाइल या लैप टाप की स्क्रीन पर लगातार घंटों बैठने से आंखों, कमर और हाथ की उँगलियों आदि में शारीरिक परेशानियां भी होने लगी हैं। शिक्षा पाने का प्रेरणादायी और रोचक अनुभव अब उबाऊ (मोनोटोनस) होने चला है। आभासी माध्यम पर होने वाली आनलाइन कक्षा की प्रकृति में अध्यापक-छात्र के बीच होने वाली अन्त:क्रिया अस्वाभाविक और असहज तो होती ही है उसमें विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी और शिक्षक द्वारा दिए जाने वाले फीडबैक भी कृत्रिम लगते हैं। विद्यार्थी की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के अवसर कम होते जाते हैं। कई विद्यार्थी उसे वर्चुअल खेल ही मानते हैं। साथ ही वास्तविक परिस्थितियों में शिक्षक के समक्ष विद्यार्थी की उपस्थति होने में अनुशासन के लिए जरूरी अभ्यास का अवसर मिलता है। इससे एक सामाजिक परिस्थिति बनती है जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नैतिकता का भी पाठ पढ़ाती है। इसके उलट आनलाइन कक्षा में कोताही की गुंजाइश अधिक हो गई है। लैपटाप और मोबाइल के उपयोग की अनिवार्यता ने सभी लोगों के अनुभव जगत को बदल डाला है। इसी बहाने आई सोशल मीडिया की बाढ़ ने, समय-कुसमय का ध्यान दिए बिना, वांछित और अवांछित हर किस्म का हस्तक्षेप शुरू किया है। ऐसे में अपरिपक्व बुद्धि वाले छोटे बच्चों की जिन्दगी में सोशल मीडिया के अबाध प्रवेश पर रोक-छेंक लगाना अब माता-पिता के लिए पहेली बन रहा है। शिक्षा के लिए जरूरी गंभीरता और सजगता में लगातार कमी आ रही है। उपर्युक्त माहौल में शिक्षा की जो भी और जैसी भी परिभाषा, उसका सुपरिचित ढांचा और स्वीकृत प्रक्रिया थी, बदल गई। साथ ही प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक की कक्षाओं के लिए नई आनलाइन प्रणाली के लिए हम पहले से तैयार न थे। यह तकनीकी बदलाव सिर्फ डिलीवरी के तरीके से ही नहीं जुड़ा है बल्कि दुनिया और खुद से जुड़ने और अनुभव करने के नजरिये से भी जुड़ा हुआ है। सीखने की प्रक्रिया को कम्प्यूटर के की बोर्ड को आपरेट करने तक सीमित करना विद्यार्थियों को सीखने और समझने की शैलियों में विविधता की भी अनदेखी करता है। एक बंधा-बंधाया तकनीक-नियंत्रित ढांचा उनके ऊपर थोप दिया जाता है और उसी में बंध कर ही सीखना-पढ़ना होता है। ऐसा करने में कल्पनाशीलता, प्रयोग और सृजन के अवसर कम होते जाते हैं। इन सबके बीच सूचना ही ज्ञान और अनुभव का पर्याय बनती जा रही है। हालांकि ऐसे आशावादी लोग भी हैं जो अब यह विश्वास करने लगे हैं कि भविष्य में सबकुछ आनलाइन व्यवस्था के अधीन हो जायगा। वे ऐसा मानने के लिए बड़े आतुर हैं क्योंकि वे उसे ही एकमात्र विकल्प मान बैठे हैं। पर यह कल्पना दूर की कौड़ी है और इस तरह की सोच शिक्षा को उसके मुख्य प्रयोजन से दूर ले जाने वाली है। दूसरी ओर कुछ यथास्थितिवादी शिक्षाविद भी हैं जो शिक्षा के पारंपरिक ढाँचे को ही ठीक समझते हैं। परन्तु शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वालों में अधिकाँश लोग आनलाइन और आफलाइन दोनों तरीकों के मिले-जुले रूप (ब्लेंडेड) को ही बेहतर मानते हैं। वे लोग बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई तकनीकों का लाभ लेते हुए शिक्षा की संवादमूलक मानवीय प्रक्रिया को ही स्वाभाविक और मानवता का हितैषी मानते हैं। आज की आन लाइन शिक्षा शिक्षा से जुड़े लोगों की बदलती आदतें अब तकनीकी व्यवस्था में उलझ रही हैं . नतीजा यह हो रहा है कि अब ध्यान देने , सोचने और आत्मसात करने की जगह डाउनलोड और उपलोड करने, गूगल में सर्च करने, स्क्रीन शेयर करने और पीपीटी तैयार करने जैसे कम्प्यूटरी कौशलों के अभ्यास और प्रबंधन के रुटीन को स्थापित करने में ही ज्यादा से ज्यादा समय बीत रहा है। तकनीकी की यह प्रबलता मानव मस्तिष्क को नए ढंग से काम करने के लिए प्रशिक्षित करने लगी है। कहना न होगा कि इंटरनेट से जुड़ते हुए देश और काल दोनों का अनुभव बदल जाता है। साइबर स्पेस में भ्रमण करना अद्भुत अनुभव होता है। इसमें सूचना प्रवाह का परिमाण और गति दोनों में जिस वेग से बढ़ रहा है वह चौंकाने वाला है और सब जानकारियों के तत्काल बासी होने के भय से भी ग्रस्त करता चल रह है। बुद्धि और विवेक की जगह तकनीकी की बढ़ती प्रतिष्ठा का चरम कृत्रिम बुद्धि (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) के विभिन्न उपयोगों में प्रतिफलित हो रहा है। यही आज का सबसे ताजा 'क्रेज' बन रहा है। वस्तुत: तकनीक मानव मूल्यों की जगह नहीं ले सकती। ऐसा होना मानवीय इतिहास में दुर्भाग्यपूर्ण ही होगा यदि हम सब कुछ मशीन के हाथों सुपुर्द कर दें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सारे विश्व को तबाह कर रहे कोरोना विषाणु की पर्त दर पर्त उभरती कथा ज्ञान, तकनीक और संवेदनहीनता के विमानवीय गठबंधन को ही बयान करती जान पड़ रही है जिसका और छोर नहीं दिख रहा है। यह बात भी साफ़ जाहिर है कि कोविड की विपदा की मार समाज के विभिन्न वर्गों पर एक जैसी नहीं पड़ी है। आनलाइन शिक्षा के जरूरी संसाधनों की व्यवस्था के लिए आर्थिक साधन सबके पास न होने से उस तक पहुँच समाज में एक ऐसे डिजिटल डिवाइड को जन्म दे रही है जो संपन्न परिवार से आने वाले विद्यार्थियों और कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के बीच मौजूद खाई को और ज्यादा बढ़ाने वाली है। मुश्किल यह भी है कि कोरोना की मार से गरीब को ज्यादा चोट पहुंची है, ख़ासतौर पर अनौपचारिक श्रमिकों और दिहाड़ी पर काम करने वालों की हालत ज्यादा खस्ती हुई है। इस तरह वंचित और कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा की समस्या उनकी आर्थिक असुरक्षा से जुड़ी हुई है जिसका प्रभावी नीतिगत समाधान अभीतक नहीं बन सका है। आनलाइन पढ़ाई की उपलब्धता की स्थिति में पूरे देश में बड़ी विविधता है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नई शिक्षानीति प्रकट रूप से सामान्य हालत में भी आनलाइन पाठ्यक्रम के उपयोग को बढ़ावा देती है और अपेक्षा करती है कि विद्यार्थी कुछ सीमित संख्या में अपनी रुचि के पाठ्यक्रम दूसरी संस्थाओं से भी आनलाइन पढ़ाई जरूर करे। प्रस्तावित शिक्षा नीति इस अर्थ में लचीली है कि छात्र-छात्राओं को अपनी रुचि, प्रतिभा और सर्जनात्मकता को निखारने का अवसर मिल सकेगा। इस तरह की पढ़ाई से मिलने वाली क्रेडिट स्वीकार्य होगी और डिग्री की पात्रता से जुड़ जायगी। देखना है की नई शिक्षानीति का मसौदा कार्य रूप में किस रूप में व्यावहारिक धरातल पर उतरता है। इसके लिए सबसे जरूरी है कि शिक्षा की आधार-संरचना में निवेश किया जाय और अध्यापकों की भर्ती और विद्यालयों को जरूरी सुविधाओं से लैस किया जाय।

कोरोना के आतंक ने शिक्षा में जो दखल दी है उसने शिक्षा की पूरी प्रक्रिया को हिला दिया है। उसने बोर्ड की परीक्षाओं की पुरानी प्रणाली को भी ध्वस्त कर दिया है और फौरी तौर पर विगत वर्षों में मिले अंकों की सहायता से एक फार्मूला बनाया गया है जो मूल्यांकन का एक काम चलाऊ नुस्खा है। हमारा समाज और हमारी राजनीति अभी भी शिक्षा के महत्व को देखने समझने की जरूरत को तरजीह नहीं दे पा रहा है। शिक्षा उसकी वरीयता सूची से अभी भी बाहर ही है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी के पुनराविष्कार के लक्ष्य शिक्षा को समुन्नत किये बिना कोई अर्थ नहीं रखते।

'आज के ट्वीट

पुलिस

पुलिस को निष्क्रियता और अति सक्रियता से बचकर न्यायपूर्ण कार्य की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही पुलिस अधिकारियों को बताया कि वो अपनी जांच को जितना वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित बनायेंगे, जाँच उतनी ही तीव्र होगी व मानवबल कम उपयोग होगा। -अमित शाह

ज्ञान गंगा

ममता

श्रीराम शर्मा आचार्य

स्वाधीन-चित्त केवल शांति दाता ही नहीं, शक्ति-दाता भी होता है। शक्ति सुख की जननी है। उससे आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से निर्भयता का आविर्भाव होता है। अनुशासित चित्त का शक्ति भण्डार मनुष्य को इतना कार्य सक्षम बना देता है कि वह बड़े-बड़े विस्मयकारक कार्य कर सकता है। जीवन की सार्थकता एवं सफलता इस एक बात पर ही निर्भर रहती है कि वह कुछ ऐसे सत्कर्म कर सके, जिससे उसका तथा संसार का उपकार हो और उसकी आत्मा को एक शात सन्तोष मिले। उसे जीवन अथवा मृत्यु दोनों स्थितियों में हर्ष की उपलब्धि हो। मनुष्य का चित्त सच्ची शक्तियों का आगार है। इस शक्ति-कोष का उद्घाटन तब ही होता है, जब चित्त अनुशासित तथा स्ववश होता है। चित्त की स्वाधीनता उसकी निर्दोषिता पर ही निर्भर है। मनुष्य के लिए अब यह बात अनजान नहीं रह गई है कि उसे क्या करना है और क्या नहीं करना चाहिए क्या करने में उसका कल्याण है और क्या करने में अकल्याण है। अशुद्ध चित्त के कारण बहुधा यह होता रहता है कि मनुष्य कल्याणकारी कार्य करना चाहता है किन्तु नहीं कर पाता। प्रत्युत उससे परवश ही ऐसे कार्य हो जाते हैं, जो अमांगलिक होते हैं। ऐसी दशा में पश्चाताप होना स्वाभाविक है। वह जानता है कि इस प्रकार के अवांछनीय कार्य उसको प्रगति पथ पर, सुख-शांति के महान मार्ग पर न बढ़ने देंगे, जिससे उसका बहुमूल्य मानव-जीवन यों ही नष्ट होकर व्यर्थ चला जाएगा और तब उसे आत्मोन्नति, आत्मकल्याण करने का अवसर न जाने कभी मिलेगा या नहीं। मनुष्य की स्वाभाविक इच्छा होती है कि वह अति दुर्लभ मानव-जीवन का सदुपयोग करके आत्मकल्याण का अधिकारी बन जाए। किन्तु खेद है कि चित्त की अशुद्धता के कारण वह अपने इस महती उद्देश्य में सफल नहीं हो पाता। बहुधा लोग चित्त को चंचलता का ही वह दोष मान लेते हैं, जिसके कारण हम उसे स्ववश नहीं कर पाए। चित्त की चंचलता वस्तुत: उसका दोष नहीं है बल्कि यह असकी, छटपटाहट है, जो शुद्धि प्राप्त करने की लालसा एवं प्रयास से उत्पन्न होती है। नैसर्गिक नियम के अधीन चित्त स्वभावत: शुद्धि की ओर स्वयं गतिशील रहा करता है और जब तक उसे अभीष्ट शुद्धता नहीं मिल जाती है एक ओर से दूसरी ओर को भागता रहता है।

कोरोना ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को हिलाकर रख दिया है

अशोक भाटिया

कोरोना की महामारी ने कई लोगों की जिंदगी निगल ली और तो और कई लोगों को अकेला कर दिया। कुछ इसी तरह का कोरोना का शिकार मुंबई अंधेरी के चांदिवली इलाके में रहने वाला परिवार भी हुआ. रेशमा तेन्त्रिल का हस्ता गाता परिवार चांदिवली के तुलिपिया सोयायटी में अपने पति शरद और 7 साल के बेटे गरुण और सास ससुर के साथ रहता था। कोरोना की चपेट में आने के बाद इसी साल के अप्रैल महीने में उनकी सास और ससुर की मौत हो गई. इसी बीच उनके पति शरद को भी कोरोना का संक्रमण हुआ और लंबे इलाज के दौरान 23 मई को उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इस पूरी घटना के चलते रेशमा और उनका बेटा गरुण घर में अकेले पड़ गए थे। 21 जून को करीब ढाई बजे रात के करीब रेशमा ने अपने बेटे गरुण के साथ 12वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार उनके घर से एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी बिल्डिंग के 11वीं मंजिल पर रहने वाला उनको परेशान करता था. उनका कहना था कि रेशमा का लड़का खेलता है तो नीचे डिस्टर्बेंस होती है और इसी वजह से वो लोग इनकी बार बार शिकायत करते थे. इस वजह से परेशान होकर मैं आत्महत्या कर रही हूं। कितना खतरनाक है किसी महिला का इसलिए सुसाइड करना क्योंकि उसे कोई पड़ोसी परेशान कर रहा था. वो भी उसके 7 साल के उस बच्चे के लिए जिसने अभी-अभी अपने पिता को कोरोना की वजह से खोया था. यह घटना इस समय के लोगों की सोच को उजागर करती है।इस कोरोना काल में जब लोगों को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए, साथ देना चाहिए, इंसानियत दिखानी चाहिए तो भी लोग एक-दूसरे को परेशान कर रहे हैं. शिकायत कर रहे हैं, ताना मार रहे हैं, क्या सच में उनका जमीर एकदम मर चुका है. यह तो सिर्फ एक दिल को दहला देने वाली घटना है।सोचिए ऐसे कितने लोग होंगे जो किसी प्रताड़ना की वजह से इस हद तक तंग आ जाते हैं कि उनको मौत को गले लगाना पड़ता है. किसी को भी सुसाइड नहीं करना चाहिए भले हालात कैसे भी क्यों ना हो, लेकिन इस महिला की कहानी कलेजा चीर कर रख देती है। एक हंसता-खेलता परिवार जिसमें बड़ों का आशीर्वाद था. एक पति का प्यार था और एक छोटे से बच्चे का दुलार था। अच्छी नौकरी, घर सब था. इस परिवार को क्या पता था कि इनके हंसती दुनिया को कोरोना की नजर लग जाएगी। पहले सास-ससुर कोरोना पॉजिटिव हुए और दुनिया छोड़ चले। उनकी सेवा करने में लगा उनका बेटा यानी महिला के पति भी कोरोना पॉजिटिव हो गए और कुछ ही दिनों में उनकी मौत हो गई। अब घर में सिर्फ महिला बची और उसका 7 साल का एक बेटा।कुदरत के कहर ने भले ही इस महिला और बच्चे की जिंदगी बक्श दी, लेकिन इनकी असली परीक्षा होनी जैसी बाकी थी। दरअसल, कोरोना की महामारी ने कई लोगों की जिंदगी छीन ली तो कई लोगों को अकेला कर दिया , उस समय उनकी मानसिक हालात क्या रही होगी आप अंदाजा लगा सकते हैं. जिस समय उन्हें लोगों के सपोर्ट और साथ की जरूरत थी वे अकेले पड़ गए थे. उस समय उनका पड़ोसी अयूब खान उन्हें परेशान करता था। कोरोना काल ने लोगों के मानसिक स्वास्थय को हिलाकर रख दिया है. रेशमा खुद अपने पति के अंतिम संस्कार में शामिल ना होने से परेशान थीं, उनके इस तरह दूर चले जाने से वे डिप्रेशन में थी उपर से 7 साल का बच्चे ने अचानक अपने दादा-दादी और पापा को खोया था। ऐसे समय में 11वीं फ्लोर पर रहे वाला पड़ोसी हमेशा रेशमा की शिकायत कभी सोसाइटी तो कभी पुलिस में करता रहता । उसे बच्चे के खेलने से प्रॉब्लम थी। माना जात है कि एक पड़ोसी ही दूसरे पड़ोसी के काम आता है लेकिन यहां तो उसके तानों से तंग आकर दुनिया में जीने से बेहतर मरना समझा। रेशमा के घर में मिले सुसाइड नोट के अनुसार, बिल्डिंग में 11वीं मंजिल पर रहने वाला पड़ोसी परेशान करता था।वह कहता था कि जब लड़का खेलता है तो नीचे डिस्टर्बेंस होती है और इसी वजह से वे लोग बार-बार शिकायत करते थे. इससे परेशान होकर मैं आत्महत्या कर रही हूं। रेशमा ने यह भी लिखा कि उनका पड़ोसी उनकी शिकायत पुलिस में और सोसाइटी को भी करता था। सोसायटी ने रेशमा और शिकायतकर्ता अयूब खान को यह मामला आपस में सुलझाने को कहा था।अब भले ही पड़ोसी की गिरफ्तारी हो जाए या जेल हो जाए लेकिन जो गुजर गए उनको कैसे कोई वापस लाएगा । उस मासूम की क्या गलती थी. एक मां को किस हद मजबूर किया गया कि उसने अपने बच्चे के साथ बिल्डिंग से कूदकर जान दी। क्या कहा होगा उसने अपने छोटे से बच्चे से, शायह यह कि यहां से कूदने से पापा के पास पहुंच जाएंगे या फिर वह नींद में ही होगा जो हमेशा के लिए सो गया। कोरोना महामारी में एक-दूसरे का साथ दीजिए। अक्सर एक पड़ोसी दूसरे को देखकर जलता है। क्या भरोसा कब किसे सहायता की जरूरत पड़ जाए । आज उसके दुख में हंसने वाले याद रखना कल तेरा नंबर भी आ सकता है। महिलाओं को ताना मारना बंद कीजिए, पता नहीं वो किस दर्द से गुजर रही हैं। आज के समय में ऐसे ही लोगों की लाइफ में हजार दर्द हैं, आप इस दर्द का मरहम नहीं बन सकते तो ठीक है, लेकिन कम से कम उनके दर्द को नासूर तो मत बनाइए। ऐसे मामलों में जहाँ सब कुछ लूट गया हो। घर में कमाने वाला कोई न बचा हो , असुरक्षता का डर हो वहां जब तक सरकार की सहायता पहुचें समाज व पड़ोसियों को सहायता करनी चाहिए। परपर सहकारी संस्था का कर्तव्य केवल सदस्यों से मेंटेनेंस लेकर संस्था चलाना ही नहीं उनके दु:ख सुख में भी शामिल होना है वो भी खासकर इस लाकडाउन व कोरोना काल में। यह तो सिर्फ एक महिला की बात हो गई. ऐसी तमाम पत्नियों, बेटियों, बहनों, प्रेमिकाओं की कहानियां अनसुनी हैं. जिन्होंने अपनों का जीवन बचाने के लिए कोविड के दौरान जान लड़ा दी।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

...तो गंभीर रूप ले सकता है अनीमिया

अनीमिया एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें शरीर के अंदर खून की कमी हो जाती है। अगर समय रहते इसका निदान न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि आपको अनीमिया, उसके लक्षण व कारणों के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही यह भी पता हो कि ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जिन्हें खाने से अनीमिया को ठीक किया जा सकता है।

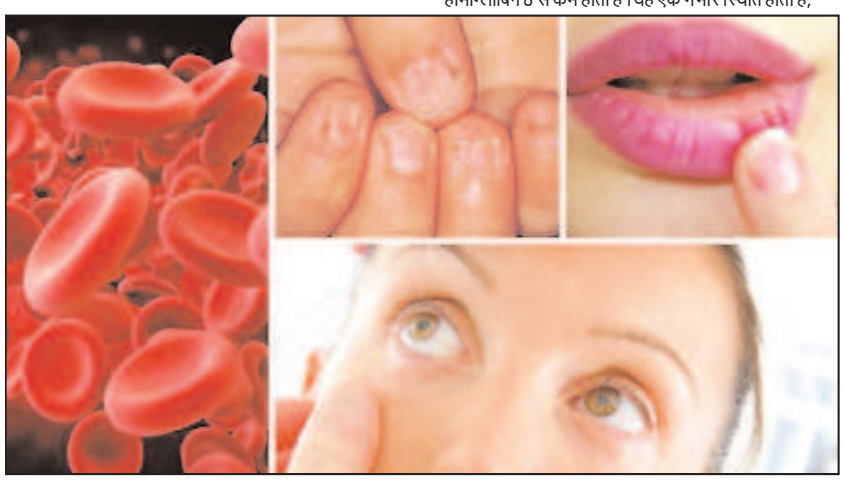

अनीमिया के लक्षण

सबसे पहले तो यह जानने की जरूरत है कि किन लोगों को अनीमिया आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकता है। ऐसे लोग जो लंबे समय से किसी बीमारी या इंफेक्शन का शिकार हैं उन्हें अनीमिया आसानी से हो सकता है। अनीमिया के कुछ प्रकार अनुवांशिक होते हैं, लेकिन यह खराब डायट और जीवनशैली की वजह से भी हो सकता है। बात करें इसके लक्षणों की, तो थकान, कमजोरी, त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन का असामान्य होना, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सीने में दर्द, हाथों और पैरों का ठंडा होना, सिरदर्द आदि अनीमिया की तरफ इशारा करते हैं। इसके अलावा स्टूल के कलर में बदलाव, कम ब्लड प्रेशर, स्किन का ठंडा पड़ना, स्प्लीन का साइज बढ़ना भी अनीमिया के लक्षण हैं।

ये लक्षण भी हैं खतरनाक

सिर, छाती या पैरों में दर्द होना, जीभ में जलन होना, मुंह और गला सूखना, मुंह के कोनों पर छाले हो जाना, बालों का कमजोर होकर टूटना, निगलने में तकलीफ होना, स्किन, नाखून और मसूड़ों का पीला पड़ जाना आदि कुछ ऐसे लक्षण हैं जो अनीमिया के एक गंभीर रूप की ओर इशारा करते हैं। अगर अनीमिया लगातार बना रहे तो डिप्रेशन का रूप ले सकता है।

अनीमिया के प्रकार और कारण

अनीमिया 3 तरह का होता है- माइल्ड, मॉडरेट और सीवियर। अगर बॉडी में हीमोग्लोबिन 10 से 11 के आसपास हो तो इसे माइल्ड अनीमिया कहते हैं। वहीं अगर हीमोग्लोबिन 8 से 9 होता है तो इसे मॉडरेट अनीमिया कहते हैं। जबकि सीवियर अनीमिया में हीमोग्लोबिन 8 से कम होता है। यह एक गंभीर स्थिति होती है, जिसमें मरीज की हालत के अनुसार खून चढ़ाने की भी नौबत आ जाती है। अनीमिया कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि हेमरेज होने या फिर लगातार खून बहने की वजह से भी शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अलावा फॉलिक ऐसिड, आयरन, प्रोटीन, विटमिन सी और बी 12 की कमी हो जाए तो अनीमिया हो सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, अगर फैमिली हिस्ट्री में ल्यूकेमिया या थैलीसीमिया की बीमारी रही है तो फिर उस स्थिति में अनीमिया होने के चांस 50 फीसदी तक बढ़ जाते हैं।

आयरन की कमी से होता है अनीमिया

अनीमिया रक्त संबंधित बीमारी है जो महिलाओं में ज्यादा पायी जाती है। शरीर में आयरन की कमी के कारण यह समस्या होती है। विटमिन बी12, फोलिक ऐसिड, कैल्शियम युक्त आहार आदि इससे बचाव करते हैं। इन चीजों से इस बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

रोज खाएं चुकंदर - चुकंदर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, इसे खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती। इसको रोज अपने खाने में सलाद या सब्जी बनाकर प्रयोग करने से शरीर में खून बनता है। चुकंदर की जड़ों को भी प्रयोग कर सकते हैं, इसमें विटमिन ए और सी होता है।

अंजीर खाएं - अनीमिया के लिए अंजीर काफी फायदेमंद माना जाता है। अंजीर में विटमिन बी12, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फॉरस, पोटैशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं जो खून की कमी को दूर करते हैं। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी मददगार है।

टमाटर का सूप पिएं - टमाटर में विटमिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें बीटा केरोटिन और विटमिन ई भी पाया जाता है जो आयरन की कमी को दूर करता है। टमाटर को सलाद के अलावा इसका सूप भी पी सकते हैं।

अंडा खाएं - अंडे में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, यह एक अच्छा ऐंटिऑक्सिडेंट भी है जो शरीर को बीमारियों से बचाकर आयरन की कमी दूर करने में मदद करता है। एक बड़े अंडे में 1 ग्राम आयरन होता है जो खून की कमी दूर करता है। अंडे को ब्रेकफास्ट में शामिल कर खून की कमी दूर करें।

आयरन से भरपूर अनार - अनार ऐसा फल है जिसमें विटमिन सी और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अनार का सेवन करने से शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है और यह अनीमिया से लड़ने में भी मदद करता है। इसके अलावा अनार कमजोरी और थकान को भी दूर करता है।

फल और सब्जियां ज्यादा खायें - अनीमिया से ग्रस्त लोगों को यह सलाह दी जाती है कि वे फल और हरी सब्जियां ज्यादा खाएं। फल जैसे खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, आदि खाने से शरीर में खून तेजी से बढ़ता है और अनीमिया की शिकायत दूर होती है।

अनीमिया के बारे में खास बातें

अनीमिया मुख्य रूप से तीन तरह का होता है, लेकिन सबसे आम आयरन की कमी से होने वाला अनीमिया है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 90 फीसदी लोगों में यही अनीमिया होता है।

कुछ लोग आइस क्यूब बहुत खाते हैं। अगर ऐसा है तो फिर यह अनीमिया का लक्षण हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनीमिया की एक खास क्वॉलिटी भी होती है। अनीमिया मुख्य रूप से आयरन की कमी से होता है और जब शरीर में आयरन कम हो जाता है तो इंफेक्शन पैदा होने का खतरा नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर बैक्टीरिया अपनी पावर बढ़ाने के लिए आयरन पर निर्भर होते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, गर्भवती महिलाओं में अनीमिया होने का अत्यधिक खतरा रहता है। दुनियाभर में 40 फीसदी गर्भवती महिलाओं को अनीमिया होता है। वैसे तो गर्भवती महिलाओं में 20 से 30 फीसदी अधिक ब्लड सप्लाई होता है ताकि गर्भ में पल रहे बच्चे को ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन मिले। लेकिन ऐसा हमेशा संभव नहीं हो पाता कि गर्भवती महिलाओं के शरीर में इतनी अत्यधिक मात्रा में ब्लड प्रड्यूस हो।

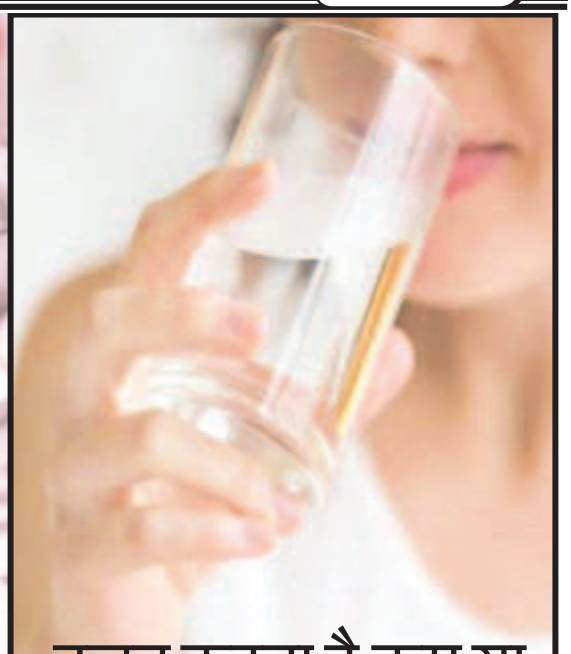

वजन करना है कम या बीपी रखना है नॉर्मल तो रोज सुबह पिएं गर्म पानी

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे-धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

बारिश का मौसम वैसे तो इंजॉय करने वाला मौसम होता है लेकिन अकसर यह बीमारियों वाला मौसम साबित हो जाता है। बरसात होने के बाद तपती गर्मी से राहत तो मिलती है लेकिन उमस के कारण इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इस कारण इस मौसम में कई बीमारियां फैलती हैं।

बरसात के मौसम में पानी से फैलने वाली बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में ठीक होने के लिए लोग ऐंटिबायॉटिक्स का सहारा लेते हैं। अकसर लोग बिना डॉक्टर की सलाह के ही ऐंटिबायॉटिक्स ले लेते हैं। अगर आप भी बीमार पड़ने पर बिना डॉक्टर से पूछे ऐंटिबायॉटिक्स दवाइयां खाते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल आपको अन्य बीमारियों के प्रति असुरक्षित बना सकता है क्योंकि इससे कई अच्छे बैक्टीरिया मर जाते हैं। ज्यादा इस्तेमाल से शरीर में ऐंटिबायॉटिक्स के लिए प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है। ऐसे में हो सकता है कि जरूरत पड़ने पर शरीर को इसका फायदा न पहुंचे। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स खाने से बेहतर होगा कि आप बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक रहें और उनसे बचने की कोशिश करें।

बेवजह न करें ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल

सैमसंग गैलेक्सी एस 21 अल्ट्रा ने एमडब्ल्यूसी 2021 में जीता सर्वश्रेष्ठ स्मार्टफोन का पुरस्कार

सोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गुरुवार को कहा कि उसके नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 21 अल्ट्रा 5जी ने दुनिया के सबसे बड़े मोबाइल दूरसंचार एक्सपो में सर्वश्रेष्ठ स्मार्टफोन का पुरस्कार जीता है। दक्षिण कोरियाई तकनीकी दिग्गज ने कहा कि गैलेक्सी एस 21 सीरीज के हाई-एंड मॉडल को बुधवार (स्थानीय समय) को बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2021 में ग्लोबल मोबाइल अवार्डस में सम्मानित किया गया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गैलेक्सी एस21 अल्ट्रा 5 जी, जिसे जनवरी में लॉन्च किया गया था, उसने गैलेक्सी एस 20 एफई 5 जी, एप्पल आईफोन 12 प्रो मैक्स, वनप्लस 9 प्रो और श्याओमी मी 11 अल्ट्रा के साथ पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा की। सैमसंग के अनुसार, पुरस्कार श्रेणी के ज्यूरी ने कहा, सर्वश्रेष्ठ एंड्रॉएड स्मार्टफोन सैमसंग ने सुविधाओं की एक बड़ी सीरीज, शानदार एएमओएलईडी डिस्प्ले, बेस्ट-इन-क्लास कैमरा और बहुत कुछ पेश किया है। स्मार्टफोन की तमाम विशेषताओं पर गौर करते हुए ज्यूरी मेंबर्स ने इसे 2021 के सर्वश्रेष्ठ स्मार्टफोन का विजेता घोषित किया। गैलेक्सी एस 21 अल्ट्रा 5जी, जो 6.8 इंच की डिस्प्ले के साथ आता है, एस-पेन स्टायलस को सपोर्ट करने वाला गैलेक्सी एस सीरीज का पहला उपकरण है, जो पहले केवल गैलेक्सी नोट फैबलेट्स के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इसमें क्वाड-रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें 108-मेगापिक्सल का वाइड कैमरा और दो टेलीफोटो लेंस शामिल हैं।

दिल्ली मेट्रो: ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन पर होगी पहली भूमिगत इंटिग्रेटेड पार्किंग

नई दिल्ली। ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन, दिल्ली मेट्रो नेटवर्क का सबसे पहला मेट्रो स्टेशन होगा, जहां एक पूरा भूमिगत तल गाड़ियों की पार्किंग के लिए तैयार किया गया है। यह पार्किंग सुविधा मेन स्टेशन एरिया से जुड़ी होगी, जिसमें वाहन चलाने वाले लोग अपनी कारों, दो पहिया वाहनों को पार्क करके लिफ्ट और एस्केलेटर के माध्यम से सीधे स्टेशन के कॉन्कोर्स में जा सकेंगे। दिल्ली मेट्रो के अनुसार, यह स्टेशन चार तल वाले भूमिगत स्ट्रक्चर के रूप में तैयार किया गया है जहां सबसे निचले तल पर (18 मी. की अनुमानित गहराई पर) प्लेटफार्म होगा, उसके ऊपर कॉन्कोर्स और उसके ऊपर संपूर्ण तल पार्किंग के लिए इस्तेमाल होगा । सबसे ऊपर रूफ लेवल (ग्राउंड लेवल) होगा। पार्किंग लॉट पर सभी सुविधाएं मौजूद होंगी जिनमें प्रवेश और निकास रैम्प, लिफ्ट, सीढ़ियां, एस्केलेटर इत्यादि शामिल हैं। इस पार्किंग एरिया में करीब 110 कारें और 185 दो पहिया वाहन खड़े हो सकेंगे। यहां भविष्य में ग्राउंड लेवल पर संपत्ति विकास संबंधी गतिविधियों का प्रावधान भी होगा। पार्किंग लॉट के बीच में यात्रियों के लिए एक लिफ्ट की व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त, दो सीढ़ियां तथा दो एस्केलेटर नीचे कॉन्कोर्स के अनपेड एरिया से सीधे जुड़े होंगे। दफ्तर जाते समय जब यात्री ट्रेन में चढ़ने के लिए जल्दबाजी में होते हैं, तो पार्किंग लॉट कॉन्कोर्स के इतने नजदीक होने से बहुत फायदेमंद होगा। इस पार्किंग सुविधा को डिजाइन आधारित एक प्रमुख उपलब्धि माना जा सकता है क्योंकि दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के किसी अन्य भूमिगत मेट्रो स्टेशन पर ऐसी सुविधा नहीं है। इस समय, दिलशाद गार्डन-शहीद स्थल नया बस अड्डा कॉरिडोर पर हिंडन नदी मेट्रो स्टेशन पर बेसमेंट पाकिंग सुविधा है। यद्यपि यह एक इलेवेटिड स्टेशन है। एयरपोर्ट लाइन के नई दिल्ली स्टेशन पर स्टेशन के ऊपर एक बहुमंजिली पार्किंग है। इस पार्किंग सुविधा से स्थानीय नागरिकों को बहुत लाभ होगा क्योंकि इससे सटे एरिया अत्यधिक भीड़भाड़ वाले हैं, जहां वाहनों की पार्किंग के लिए बहुत सीमित स्थान हैं। पार्किंग स्थल पर वाहनों के प्रवेश और निकास के लिए दोनों ओर रैम्प बने होंगे। दो जगहों पर प्रवेश/निकास की सुविधा होगी जो ऊपर की ओर वाली सड़क तथा नीचे प्लेटफार्म से जुड़े होंगे।

सरकार ने कोविड के कारण विलंबित अक्षय परियोजनाओं को विस्तार दिया

नई दिल्ली।

सरकार ने कोविड -19 महामारी की दूसरी लहर के बीच अक्षय क्षेत्र को राहत दी है, जिसमें 1 अप्रैल से 15 जून 2021 के बीच चालू होने वाली बिजली परियोजनाओं के लिए ढाई महीने का विस्तार किया गया है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने उन परिवर्तनों को अधिसूचित किया है जो डेवलपर्स को सहमत समय सीमा से परे परियोजनाओं को चालू करने में देरी के लिए जुर्माना लगाने से रोकेंगे। महामारी की दूसरी लहर के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न हिस्सों में तालाबंदी हुई, कई बिजली परियोजनाओं पर काम भी बंद हो गया, जिसके परिणामस्वरूप इसे शुरू करने में देरी हुई। पिछले महीने, एमएनआरई ने 1 अप्रैल, 2021 को या उसके बाद नवीकरणीय परियोजनाओं को चालू करने की अनुमति देने के लिए अधिसूचना जारी की थी, जो मौजूदा पीपीए को जारी रखने और देरी के कारण परियोजना लागत में कोई वृद्धि नहीं होने के अधीन एक विस्तारित अनुसूची थी। पिछले साल भी कोविड के प्रकोप और लॉकडाउन के दौरान, एमएनआरई ने 25 मार्च से 24 अगस्त, 2020 के बीच चालू होने वाली परियोजनाओं को पांच महीने का विस्तार दिया था। बिजली मंत्रालय ने निमार्णाधीन सभी अंतरराज्यीय ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए तीन महीने का विस्तार भी दिया है।

टाटा मोटर्स ने जून में घरेलू बाजार में 43,704 गाड़ियां बेचीं

नयी दिल्ली, टाटा मोटर्स ने गुरुवार को कहा कि जून 2021 में उसकी घरेलू बिक्री 78 प्रतिशत बढ़कर 43,704 इकाई हो गई, जो इस साल मई में 24,552 इकाई थी। कंपनी ने पिछले साल जून में 19,387 गाड़ियां बेची थीं। टाटा मोटर्स ने कहा कि घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री जून में 24,110 इकाई रही, जबकि मई में यह 15,181 इकाई थी। इसी तरह घरेलू बाजार में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले महीने 19,594 इकाई रही, जो मई में 9,371 इकाई थी। एक अलग विज्ञप्ति में हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड ने कहा कि जून में उसकी कुल बिक्री दोगुनी बढ़कर 6,448 इकाई हो गई, जो इस साल मई में 3,199 इकाई थी। वोल्वो समूह और आयशर मोटर्स के संयुक्त उद्यम वीई कमर्शियल व्हीकल ने बताया कि जून में उसकी कुल बिक्री 2,438 इकाई रही। कंपनी ने जून 2020 में 1,358 इकाइयां बेची थीं।

चार वर्ष के बाद जीएसटी भारत में बन गई औपनिवेशिक कर प्रणाली: कैट

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज जीएसटी के देश में चार वर्ष पूरे होने पर जीएसटी कर प्रणाली की वर्तमान व्यवस्था पर बड़ा तंज कसा। कैट ने कहा, चार वर्षों के बाद यह अब एक औपनिवेशिक कर प्रणाली बन गई है जो जीएसटी के मूल घोषित उद्देश्य गुड एंड सिंपल टैक्स के ठीक विपरीत है। वहीं देश के व्यापारियों के लिए एक बड़ा सिरदर्द भी बन गई है। कैट के अनुसार, जीएसटी के तहत अभी हाल ही के महीनों में हुए विभिन्न संशोधनों और नए नियमों ने कर प्रणाली को बेहद जटिल बना दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इज ऑफ डूइंग बिजनेस की मूल धारणा के बिलकुल खिलाफ है। कैट ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीथारमन से इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए समय भी माँगा है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, जीएसटी को विकृत करने में केंद्र सरकार की बजाय राज्य सरकारों की हठधर्मिता ज्यादा जिम्मेदार हैं जिन्होंने कर प्रणाली में विसंगतियां और समान कर प्रणाली को अपने लाभ की खातिर दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा, चार वर्ष में किसी राज्य सरकार ने एक बार भी व्यापारियों को जीएसटी के मुद्दे पर नहीं बुलाया और न ही कभी जानने की कोशिश करी की व्यापारियों की समस्याएं क्या हैं? क्यों जीएसटी का कर दायरा अनुपातिक स्तर पर नहीं बढ़ रहा। उन्होंने आगे कहा कि, भारत में जीएसटी लागू होने के 4 साल बाद भी जीएसटी पोर्टल अभी भी कई चुनौतियों से जूझ रहा है और सही तरीके से काम नहीं कर रहा। नियमों में संशोधन किया गया है लेकिन पोर्टल उक्त संशोधनों के साथ समय पर अद्यतन करने में विफल है। अभी तक कोई भी राष्ट्रीय अपीलीय न्यायाधिकरण का गठन नहीं किया गया है। कैट के मुताबिक, वन नेशन-वन टैक्स के मूल सिद्धांतों को विकृत करने के लिए राज्यों को अपने तरीके से कानून की व्याख्या करने के लिए राज्यों को खुला हाथ दिया गया है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी

सेंसेक्स 52,318, निफ्टी 15,680 पर बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भी गिरावट का दौर जारी रहा। इससे पहले बुधवार को भी बाजार टूटा था। बाजार में यह गिरावट दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, एचडीएफसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट के अलावा एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 164.11 अंक करीब 0.31 फीसदी नीचे आकर 52,318.60 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.50 अंक तकरीबन 0.26 फीसदी फिसलकर 15,680 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा घाटे में रही। इसके अलावा, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और इंडसइंड बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर, डा. रेड्डीज, बजाज ऑटो, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और एनटीपीसी समेत अन्य कंपनियों के शेयर लाभ में रहे। जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली हावी रहने के कारण घरेलू शेयर बाजारों में कारोबार सीमित दायरे में रहा। वाहन, उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों और दवा कंपनियों के शेयरों में आई तेजी के प्रभाव को वित्तीय और आईटी क्षेत्र में हुई मुनाफावसूली ने कम कर दिया।''वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। इससे पहले सुबह बाजार की शुरुआत बेहद सुस्त रही। सेंसेक्स 36.88 अंक की गिरावट के साथ 52,445.83 पर था। इसी तरह निफ्टी 5.50 अंक की गिरावट के साथ 15,716 पर था। सेंसेक्स में सबसे अधिक एक फीसदी की गिरावट बजाज फाइनेंस में हुई। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट भी नुकसान के साथ ही लाल निशान में थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, एमएंडएम, एशियन पेंट्स, मारुति, टाइटन, कोटक बैंक और भारती एयरटेल में बढ़त के साथ कारोबार हो रहा था। पिछले सत्र में सेंसेक्स 66.95 अंक की गिरावट के साथ 52,482.71 पर और निफ्टी 26.95 अंक की गिरावट के साथ 15,721.50 पर बंद हुआ था।

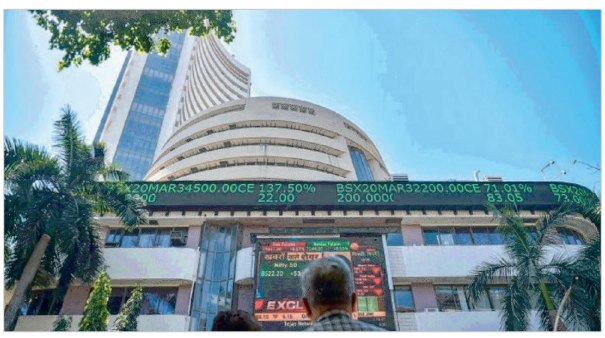

आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2022 हुई

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) के तहत लाभार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तिथि को नौ महीने यानी 30 जून, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस विस्तार के परिणामस्वरूप आशा की जाती है कि औपचारिक क्षेत्र में अब 71.8 लाख रोजगार पैदा होंगे, जबकि पहले यह आकलन 58.5 लाख रोजगार का था। उल्लेखनीय है कि 18 जून, 2021 तक एबीआरवाई के तहत 79,557 प्रतिष्ठानों के जरिये 21.42 लाख लाभार्थियों को 902 करोड़ रुपये के बराबर के लाभ प्रदान किये हैं। 31 मार्च, 2022 तक पंजीकरण की प्रस्तावित बढ़ी हुई अवधि के खर्च को मिलाकर योजना का अनुमानित खर्च 22,098 करोड़ रुपये होगा। इस योजना को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के जरिये क्रियान्वित किया जा रहा है, ताकि विभिन्न सेक्टरों/उद्योगों के नियोक्ताओं पर वित्तीय बोझ कम हो और उन्हें ज्यादा से ज्यादा कामगारों को रोजगार देने का प्रोत्साहन मिले। एबीआरवाई के तहत ईपीएफओ में पंजीकृत प्रतिष्ठान और उनके वे नये कामगार, जिनकी मासिक आय 15,000 रुपये से कम है, उन्हें फायदा पहुंचेगा, बशर्ते प्रतिष्ठान ने नये कामगार रखे हों या जिन कामगारों का रोजगार एक मार्च, 2020 से 30 सितंबर, 2020 के बीच छूट गया हो। एबीआरवाई के तहत, केंद्र सरकार कर्मचारियों और नियोक्ताओं के अंश (आय का 24 प्रतिशत) की रकम दो वर्ष तक प्रदान करेगी या कर्मचारियों के अंश (आय का 12 प्रतिशत) प्रदान करेगी। यह ईपीएफओ पंजीकृत प्रतिष्ठान के कुल कर्मचारियों की तादाद पर निर्भर करेगा। योजना की विस्तृत जानकारी को श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा ईपीएफओ की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

केंद्र ने कच्चे पाम तेल पर 5% शुल्क घटाया

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने और खाद्य तेल की कीमतों को कम करने के लिए केंद्र ने कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर शुल्क में 5त्न की कमी की है। आरबीडी पामोलिन (रिफाइंड पाम तेल) की कीमतों में कमी लाने के लिए, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने आरबीडी पामोलिन के आयात पर प्रतिबंध को हटाने और इसे आयात की खुली सामान्य श्रेणी में रखने की सिफारिश की है। इन उपायों से घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले खाद्य तेलों की कीमतों के घटने की उम्मीद है। देश में घरेलू कार्यों में उपयोग किये जाने वाले प्रमुख खाद्य तेलों में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, सूरजमुखी तिल का तेल, नाइजर बीज, कुसुम बीज, अरंडी और अलसी (प्राथमिक स्रोत) तथा नारियल, पाम तेल, बिनौला, राइस ब्रान, साल्वेंट एक्स्ट्रैक्टेड तेल, पेड़ों और जंगल से प्राप्त मूल तेल शामिल हैं। देश में खाद्य तेलों की कुल घरेलू मांग लगभग 250 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। देश में इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों की लगभग 60त्न जरूरत आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। कुल आयातित खाद्य तेल में लगभग 60त्न पाम तेल (कच्चा+परिष्कृत) आयात किया जाता है, जिसमें से 54त्न इंडोनेशिया और मलेशिया से मंगाया जाता है। चूंकि देश को मांग एवं आपूर्ति के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर खाद्य तेलों की घरेलू कीमतों पर भी पड़ता है। खाद्य तेलों की उच्च कीमतों सहित खाद्य मुद्रास्फीति सरकार के लिए चिंता का विषय रही है और इसलिए सरकार खाद्य तेलों की कीमतों की लगातार निगरानी कर रही है तथा कीमतों में कमी लाने के लिए बाधाओं को दूर करने के उपाय कर रही है।

हिमालरा मेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के साथ गठ जोड़ किरा

हिमालरा ड्रग कंपनी का मेन्स ग्रूमिंग ब्रांड, हिमालरामेन, आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपिरनशिप फाइनल 2021 के लिए मेन्स ग्रूमिंग पार्टनर के रूप में आईसीसी से जुड़ा है।हिमालरामेन ने नरा अभिनव अभिरान, ''चीरएइनव्हाईट्स'' शुरू किरा है, जो टेस्ट क्रिकेट में रुचि को फिर से विकसित करेगा, क्योंकि क्रिकेट के रुवा फैंस के बीच इसकी लोकप्रिरता कम हो रही है।

श्री राजेशकृष्णमूर्ति, बिज़नेस डारेक्टर – कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीज़न, हिमालरा ड्रग कंपनी ने कहा, ''क्रिकेट भारत में सबसे ज्यादा देखा व पसंद किरा जाने वाला खेल है।हमें पहली आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपिरनशिप फाइनल 2021 के लिए अंतर्राष्ट्रीर क्रिकेट काउंसिल के साथ साझेदारी करने की खुशी है, जिसमें टीम इंडिरा एक फाईनलिस्ट है।एक गौरवशाली घरेलू भारतीर ब्रांड के रूप में हम अपनी तरह के इस अभिनव वर्चुअल अभिरान में क्रिकेट के मौलिक फॉर्मेट का सहरोग करने और टीम इंडिरा को चीरर करने के लिए उत्साहित हैं।हमारे 'चीरएइनव्हाईट्स' अभिरान द्वारा हमारा उद्देश्र क्रिकेट के इस खेल को बढ़ावा देना और हर क्रिकेट फैन को वर्चुअल रूप में इसमें हिस्सा लेने का प्रोत्साहन देकर उनके बीच उत्साह को बढ़ाना है।''

अश्वनीगाँधी, जनरल मैनेजर – कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीज़न, द हिमालरा ड्रग कंपनी ने कहा, ''हिमालरा मेन फेस केरर, हेरकेरर, बीरर्ड केरर एवं शेविंग की श्रेणिरों में अपनी प्रस्तुतिरों के साथ मेन्सग्रूमिंग सेगमेंट में मजबूत स्थिति में है।नरा अभिरान, 'चीरएइनव्हाईट्स' क्रिकेट प्रेमिरों की सुरक्षा व रुचि को ध्रान में रखकर विशेष रूप से तैरार किरा गरा है।अपनी तरह के इस प्रथम अभिरान में हिमालरामेन आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपिरन शिपफाईनल, 2021 में उपभोक्ताओं से व्हाईट पहनकर टीम इंडिरा का उत्साह बढ़ाने का आग्रह कर रहा है। इसमें भाग लेनेवाले उपभोक्ताओं को स्पोर्टसबाईक, गोल्डक्राइन आदि जैसे आकर्षक पुरस्कार जीतने का मौका भी मिलेगा।

हिमालरामेन के ब्रांडएम्बेसडर, विराट कोहली एवं रिषभपंत के साथ उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ी, ईशानकिशन इस अभिरान को बढ़ावा देंगे और उपभोक्ताओं से व्हाईट पहनकर टीम इंडिरा को चीरर करने के लिए कहेंगे।

विराट कोहली ने कहा, ''क्रिकेट सदैव से सभी भारतीरों को जोड़ता आरा है।और मैं हिमालरामेन के नए अभिरान, ''चीरएइनव्हाईट्स'' का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ, जोआईसीसी वर्ल्डटेस्ट चैंपिरनशिप फाईनल 2021 जैसी बड़ी इवेंट में एकजुटता की भावना का विकास करेगा।''

रिषभपंत ने कहा, ''हमने बेहतरीन टेस्ट मैच खेले, जिनका समापन आईसीसी वर्ल्डटेस्ट सीरीज़ चैंपिरनशिप फाईनल 2021 में हो रहा है।मैं हिमालरामेन के नए अभिरान, ''चीरएइनव्हाईट्स'' से जुड़कर बहुत खुश हूँ, जो हमें वैलनेस और स्पोर्ट द्वारा एक जुट कर रहा है।''

ईशानकिशन ने कहा, ''हिमालरामेन भारतीर क्रिकेट का दृढ़ समर्थक है और मैं उनके नए अभिरान, ''चीरएइनव्हाईट्स'' का हिस्सा बनकर उत्साहित हूँ, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपिरनशिप फाईनल, 2021 के दौरान एक जुटता का विकास करेगा और क्रिकेट के मौलिक फॉर्मेट को बढ़ावा देगा।''

एलन मस्क के स्पेसएक्स ने 88 सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया

सैन फ्रांसिस्को।

टेक अरबपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने फ्लोरिडा से फर्म के दूसरे इन-हाउस राइड-शेयर मिशन के हिस्से के रूप में 88 सैटेलाइट्स लॉन्च किए हैं। इसके साथ ही, इस साल भेजे जाने वाले कुल सैटेलाइट्स की संख्या लगभग 900 हो गई है। ये जानकारी मीडिया के हवाले से मिली है। वर्ज ने बताया कि कंपनी ने बुधवार को ट्रांसपोर्टर 2 मिशन के लिए पुनः उपयोग किए गए फाल्कन 9 रॉकेट पर सैटेलाइट्स को लॉन्च किया, जिसमें एक नई पेंटागन एजेंसी के लिए पहले पांच और विभिन्न कंपनियों, देशों और स्कूलों के लिए दर्जनों अन्य सैटेलाइट्स शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि बुधवार 30 जून को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 3:31 बजे फाल्कन 9 ने फ्लोरिडा में केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 से स्पेसएक्स का दूसरा समर्पित स्मॉलसैट राइडशेयर प्रोग्राम मिशन ट्रांसपोर्टर 2 लॉन्च किया। मिशन ने स्पेसएक्स के फ्लोरिडा से ध्रुवीय कक्षा में दूसरे प्रक्षेपण को भी चिह्नित किया। यह इस साल कंपनी का 20 वां प्रक्षेपण और रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर के लिए आठवीं उड़ान है। स्पेसएक्स के लैंडिंग जोन 1 में लगभग 10 मिनट बाद वह बूस्टर पृथ्वी पर लौट आया। इस प्रक्षेपण में 85 वाणिज्यिक और सरकारी अंतरिक्ष यान (क्यूबसैट, माइक्रोसैट और कक्षीय स्थानांतरण वाहन सहित) और तीन स्टारलिंक उपग्रह थे। कंपनी ने कहा कि ट्रांसपोर्टर वन मिशन ने इस साल जनवरी में अधिकांश सैटेलाइट्स के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाया, इसने 143 सैटेलाइट्स भेजे। हालांकि, ट्रांसपोर्टर 2 मिशन ने कुल मिलाकर कक्षा में अधिक द्रव्यमान लॉन्च किया। ट्रांसपोर्टर लॉन्च, पहली बार 2019 में घोषित कंपनी के राइडशेयर बिजनेस मॉडल का हिस्सा हैं। ट्रांसपोर्टर -2 मिशन में लगभग 10 ग्राहक शामिल हैं, जिनमें से कुछ लॉन्च सेवा प्रदाता हैं जो स्वयं ग्राहक पेलोड का आयोजन कर रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण होगी डोसवाड़ा जिंक प्लांट की पहली प्राथमिकता

हिंदुस्तान जिंक द्वारा जिंक बनाने की प्रक्रिरा में अपनारी जाने वाली तकनीक और पर्रावरण संरक्षण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता रह सुनिश्चित करती है कि दोसवाड़ा के आस पास के क्षेत्र का वातावरण हमेशा स्वच्छ और सुरक्षित रहे। कंपनी की अपनाई जाने वाली तकनीक के लिरे हिन्दुस्तान जिंक को अपनाने के लिरे विश्व में अग्रणी उद्योग के रूप में जाना जाता है। दोसवाड़ा में स्थापित किरे जाने वाले प्लांट से उत्पन्न प्रत्येक अवोष को रिसाइकिल और रिरूज कर उपरोग में लिरा जाएगा। इस संरंत्र से निकलने वाले बारप्रोडक्ट अन्र उद्योगों जैसे सिमेंट और इंटें बनाने वाले उद्योगों में काम में ली जाएगी।

दोसवाड़ा प्रोजेक्ट साइट पर ग्रीनबेल्ट और ब्लॉक प्लांटेशन्स के लिए लगभग 55 हेक्टेरर रानि कुल क्षेत्रफल का 33 प्रतिशत का उपरोग करने का प्रस्ताव है। जल थर्मल और विद्युत ऊर्जा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अपशिष्ट में कमी और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देना अत्राधुनिक प्रदत्त टेक्नॉलजी द्वारा वेस्ट हीट रिकवरी करने की सर्वोत्तम संभव सीमा तक लक्षित करना ट्रेस मेटल की रिकवरी और मूल्र वर्धित बार प्रोडक्ट इस संरंत्र द्वारा पर्रावरण संरक्षण के प्रमुख कारक होगें।

प्रक्रिरा में उत्पन्न गैस को उन्नत प्रक्रिरा उपकरण जैसे चक्रवात उन्नत हॉट इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ईएसपी) और 8 फिल्ड वेस्ट इएसपी की श्रृंखला के माध्रम से साफ किरा जाता है और फिर डीसीडीए (डबल रूपांतरण डबल अवशोषण) एसिड प्लांट के साथ उत्प्रेरक कनवर्टर द्वारा अवशोषित किरा जाता है जिससे आसपास में प्रभाव नहीं होगा।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा फ्यूमर प्लांट:- हिन्दुस्तान जिंक पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए दोसवाड़ा जिंक प्लांट में फ्यूमर प्लांट स्थापित करेगा जिससे न केवल ठोस अपशिष्ट जेरोसाईट का उत्पादन शून्र होगा अपितु पर्रावरण संरक्षण के लिए भी रह एक नवाचार है। जेरोसाइट को रखने के लिए अब जमीन की आवश्रकता नही होगी एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा। संरंत्र से निकलने वाले अपशिष्ट से जो स्लेग निकलेगा उसका उपरोग सीमेंट उद्योगों द्वारा किरा जाएगा। इसके तहत् एक कारखाने का वेस्ट दूसरे कारखाने का इनपुट बनेगा जिससे इकोफ्रेण्डली संकल्पना मजबूत होगी। रह सबसे सफलतम प्रक्रिरा होगी जिससे जिंक फ्यूमर प्लांट में बिना जेरो साइट के उत्पादन के खनिज की रिकवरी होगी।

वॉलमार्ट की वृद्धि एमएसएमई को चिकित्सा सहारता तक पहुंच प्रदान करके कोविद -19 से दूर रहने में मदद करती है

बेंटनविले, आर्क। और बैंगलोर, भारत - वॉलमार्ट ने आज घोषणा की कि वह ग्रोथ केरर के लॉन्च के साथ एमएसएमई के लिए अपने कोविड -19 समर्थन प्रासों का विस्तार कर रहा है। नरा कार्रक्रम दूरसंचार सेवा और स्वास्थ्र सलाह में मदद करेगा और मौजूदा महामारी के दौरान अपने परिवार के सदस्रों और कर्मचारिरों को एमएसएमई का समर्थन करेगा ताकि वे मौजूदा महामारी से संबंधित व्रावसारिक सुझावों और संसाधनों तक पहुंच बनाकर एमएसएमई की मदद कर सकें।

महामारी की शुरुआत के बाद से, MSMEs ने वॉलमार्ट के विकास के माध्रम से बहुत अधिक क्षमता-निर्माण समर्थन प्राप्त किरा है, जो इसे फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट चैनल और खुले बाज़ार जैसे नए बाजारों में बढ़ने में मदद करेगा।

वॉलमार्ट की इंटरनेशनल पार्टनरशिप सर्विसेज की वाइस प्रेसिडेंट निधि मुंजाल कहती हैं,"भारत का एमएमएसएमईए कोविड-19 की भलाई के साथ-साथ इसके अभूतपूर्व व्रावसारिक प्रभाव को प्राथमिकता देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। ग्रोथ केरर को विश्वसनीर स्वास्थ्र देखभाल और व्रावसारिक सलाह तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किरा गरा है। इसलिए एमएसएमई इस कठिन समर में अपने परिवार, कर्मचारिरों और समाज को साधन संपन्न बनाने में मदद करते हैं।"

ग्रोथ केरर्स के साथ, वॉलमार्ट पार्टनर स्वस्ति एक मुफ्त टेलीकेरर सेवा प्रदान करती है जो डॉक्टरों, नर्सों और अन्र स्वास्थ्र कर्मिरों को एमएसएमई और उनके परिवारों और कर्मचारिरों को फोन द्वारा इस दूरस्थ जानकारी तक पहुंचने की अनुमति देती है। रे पेशेवर दैनिक चेक-इन पर लक्षणों की निगरानी करते हैं और परामर्श और सहारता प्रदान करते हैं। कार्रक्रम अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़ और तमिल में टीकाकरण मार्गदर्शन और घरेलू संगरोध प्रक्रिरा और देखभाल के बारे में अद्यतन जानकारी भी प्रदान करता है।

गेंदबाजों को चार ओवर तक गेंदबाजी करने के बाद थकते देखना दुखद : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि आज के जमाने के गेंदबाजों को चार ओवर तक गेंदबाजी करने के बाद थकते हुए देखना दुखद है। कपिल ने इंडिया टुडे से कहा, आज का क्रिकेट बेसिक है, आपको या तो बल्लेबाजी करनी है या गेंदबाजी करनी है। हमारे समय में आपको सब करना होता था। क्रिकेट अब बदल गया है। उन्होंने कहा, कई बार मुझे यह देखकर दुख होता है कि खिलाड़ी महज चार ओवर तक गेंदबाजी करने के बाद थक जाते हैं । मैंने सुना है कि इन्हें तीन या चार ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करने दिया जाता है। कपिल ने कहा, मुझे याद है हमारे समय में हम लोग यह नहीं कह पाते थे कि यह सही है और यह गलत है। अगर आखिरी बल्लेबाजी भी बल्लेबाजी करने आता था तो हमें कम से कम 10 ओवर फेंकने पड़ते थे। आज के दौर में इनके लिए यह चार ओवर काफी होते हैं जिससे हमारे जमाने के खिलाड़ियों को काफी अजीब लगता है। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या फिटनेस के कारण गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं और वह सिर्फ बल्लेबाजी करते हैं।

झाझरिया ने कहा- बायो बबल में खुद को प्रेरित किया, ओलंपिक में तिरंगा लहराता हुआ देखना चाहता हूं

नई दिल्ली ।

विश्व रिकॉर्ड के साथ तोक्यो पैरालम्पिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले दो बार के स्वर्ण पदक विजेता भालाफेंक एथलीट देवेंद्र झाझरिया ने इस बार पैरालम्पिक की तैयारी में 'मानसिक मजबूती' को सबसे अहम बताते हुए कहा कि कोरोना महामारी के बीच परिवार से दूर बायो बबल में सतत अभ्यास के दौरान खुद को प्रेरित करते रहना सबसे बड़ी चुनौती थी। एथेंस में 2004 और रियो में 2016 पैरालम्पिक के स्वर्ण पदक विजेता झाझरिया ने इंटरव्यू में कहा कि मैंने हर बार खेलों की तैयारी अलग ढंग से की है। इस बार तकनीकी तौर पर हर बारीकी पर काम किया लेकिन मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत बनाये रखा। पैरालंपिक खेलों में पुरुषों की एफ-46 वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले 40 वर्षीय झाझरिया ने गुरुवार को ट्रायल्स के दौरान 65.71 मीटर भाला फेंका। अपने इस प्रदर्शन से उन्होंने न सिर्फ पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई किया बल्कि 63.97 मीटर के अपने पिछले विश्व रिकार्ड में भी सुधार किया। उन्होंने यह रिकार्ड रियो पैरालंपिक 2016 में बनाया था। उन्होंने कहा कि छह महीने परिवार से दूर भारतीय खेल प्राधिकरण के गांधीनगर केंद्र पर रोज एक सी दिनचर्या के बीच लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिये खुद को प्रेरित करते रहना चुनौतीपूर्ण था। मेरा परिवार जयपुर में है और छह साल का बेटा रोज रात को वीडियो कॉल पर कहता कि पापा कल घर आ जाओ। आप घर क्यों नहीं आते। मेरी पत्नी चूंकि राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी खिलाड़ी रह चुकी है तो वह चीजों को समझती है। 40 वर्ष के इस खिलाड़ी ने कहा कि मैं छह महीने बाद साइ केंद्र से बाहर निकाला हूं और कोरोना प्रोटोकॉल के बीच अभ्यास आसान नहीं था। रोज खुद को दिलासा देते रहते थे कि जल्दी ही सब ठीक हो जाएगा। मेरे कोच सुनील तंवर और फिटनेस ट्रेनर लक्ष्य बत्रा ने मुझ पर काफी मेहनत की। मुझे क्वालीफिकेशन का यकीन था और लगभग पौने दो मीटर से रिकॉर्ड तोड़ा है। अब मैं चाहता हूं कि विश्व रिकॉर्ड के साथ ही पैरालम्पिक में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाऊं। 40 बरस की उम्र में क्या यह संभव होगा, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि आप इसे ऐसे क्यो नहीं देखते कि मेरे पास ज्यादा अनुभव है। मैंने अपनी रफ्तार, दमखम और तकनीक पर काफी काम किया है। मैंने दो स्वर्ण पदक जीते हैं और यह मेरे पक्ष में जाता है। किन देशों के खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा कड़ी होगी, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि मेरा मुकाबला खुद से है। विश्व रिकॉर्ड मेरे नाम था और मैंने उसे बेहतर किया।

भारतीय मूल के अभिमन्यु मिश्रा बने दुनिया के सबसे कम उम्र के शतरंज ग्रांड मास्टर

बुडापेस्ट ,हंगरी / निकलेश जैन

भारतीय मूल के यूएसए के खिलाड़ी अभिमन्यु मिश्रा शतरंज इतिहास के सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर बन गए है । उन्होने 12 वर्ष चार माह और 25 दिन की आयु मे यह कारनामा कर दिखाया है और 19 साल से कायम रूस के ग्रांड मास्टर सेरगी कार्याकिन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है । न्यू जर्सी अमेरिका के रहने वाले अभिमन्यु के माता पिता भारत से अमेरिका चले गए थे और वही कार्यरत है । उन्होने कल वेजरकेबजो इंटरनेशनल शतरंज के नौवे राउंड मे भारत के युवा ग्रांड मास्टर लियॉन मेन्दोंसा को पराजित करते हुए ग्रांड मास्टर बनने के लिए जरूरी तीसरा और अंतिम ग्रांड मास्टर नार्म हासिल कर लिया , इससे पहले वो आवश्यक 2500 एलो रेटिंग अंक पहले ही हासिल कर चुके थे । अभिमन्यु को भारतीय ग्रांड मास्टर पी मघेश चंद्रन और अरुण प्रसाद प्रशिक्षण दे रहे है । विश्व शतरंज संघ नें अभिमन्यु को बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की शुभकामनाए दी है ।

विंबलडन - सानिया-बेथाने की बड़ी जीत

लंदन। भारत के सानिया मिर्जा ने अपनी जोड़ीदार के साथ विंबलडन अभियान की विजयी शुरुआत की है। सानिया और उनकी जोड़ीदार अमेरिका की बेथाने माटेक के साथ एलेक्सा गुराटी और डेसिरा क्रावसिलव को छठी वरीय जोड़ी को हराया। सानिया और बेथाने ने पहले राउंड का मुकाबला 7-5, 6-3 से जीता। सानिया, जिन्होंने तीन ग्रैंड स्लैम युगल खिताब है और अब तक कई मिश्रित युगल खिताब जीते हैं, ने 2015 में विंबलडन महिला युगल खिताब जीता था। हैदराबाद की 34 वर्षीय, 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो 2020 में प्रतिस्पर्धा करने पर चार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला एथलीट बन जाएंगी।

फिर बेकार गया मिताली का अर्धशतक, क्रास और डंकली ने दिलाई इंग्लैंड को जीत

टांटन ।

कप्तान मिताली राज की अर्धशतकीय पारी केट क्रास की कातिलाना गेंदबाजी और सोफी डंकली के जुझारू अर्धशतक के सामने फीकी पड़ गयी जिससे इंग्लैंड ने बुधवार को यहां दूसरे महिला एकदिवसीय दिन रात्रि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। मिताली ने रन आउट होने से पहले 92 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 59 रन बनाए, लेकिन बाकी भारतीय बल्लेबाज मध्यम गति की गेंदबाज क्रास (34 रन देकर पांच) और बायें हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन (33 रन देकर तीन विकेट) के सामने नहीं टिक पायी और पूरी टीम 50 ओवर में 221 रन पर आउट हो गई। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 55 गेंदों पर 44 रन का योगदान दिया। अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य के सामने इंग्लैंड भी शुरू में लड़खड़ा गया और 28.5 ओवर के बाद उसका स्कोर 5 विकेट पर 133 रन था। डंकली (81 गेंदों पर नाबाद 73) और कैथरीन ब्रंट (46 गेंदों पर नाबाद 33) ने यहीं से छठे विकेट के लिये 92 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को 15 गेंद शेष रहते हुए ही जीत दिलाई। इंग्लैंड ने 47.3 ओवर में 5 विकेट पर 225 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज लॉरेन विनफील्ड हिल ने 57 गेंदों पर 42 और एमी एलेन जोन्स ने 34 गेंदों पर 28 रन का योगदान दिया। भारत की तरफ से पूनम यादव ने दो विकेट लिए लेकिन इसके लिए उन्होंने 63 रन खर्च किए। झूलन गोस्वामी, शिखा पांडे और स्नेह राणा ने एक-एक विकेट हासिल किया। मिताली गर्दन में दर्द के कारण क्षेत्ररक्षण के लिये नहीं उतरी और उनकी जगह उप कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम की अगुवाई की। भारत ने फिर से टॉस गंवाया। शेफाली और स्मृति मंधाना (30 गेंदों पर 22 रन) ने पहले विकेट के लिये 54 रन जोड़े लेकिन 21 रन के अंदर तीन विकेट गंवाने से टीम दबाव में आ गई। बाद में मिताली और हरमनप्रीत (39 गेंदों

पर 19 रन) के बीच चौथे विकेट के लिये 68 रन जोड़े लेकिन यह साझेदारी टूटते ही टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। क्रास ने 12वें ओवर में दूसरे बदलाव के रूप में गेंद संभाली तथा आते ही मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स (आठ) को पवेलियन की राह दिखायी। मंधाना उनकी गुडलेंथ गेंद को कट करने के प्रयास में विकेटों में खेल गई जबकि जेमिमा की टाइमिंग सही नहीं थी और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर हवा में लहरा गयी थी। शेफाली को 21 रन पर जीवनदान मिला लेकिन एक्लेस्टोन की गेंद पर चूक जाने से वह इसका खास फायदा नहीं उठा पाई।

संक्षिप्त समाचार

मर्रे , जोकाविच और किर्गीयोस विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचे

विंबलडन। ब्रिटेन के शीर्ष खिलाड़ी एंडी मर्रे, सर्बिया के नोवाक जोकाविच और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गीयोस विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंच गये हैं। सर्जरी से उबरने के बाद खेलने के लिए उतरे मर्रे ने दूसरे दौर के मुकाबले में क्वालीफायर ऑस्कर ओटी को 6-3, 4-6, 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। मर्रे ने बाद में कहा, ''मैं निश्चित तौर पर थक गया हूं। मैं दो बार फिसलकर नीचे भी गिरा। कोर्ट अच्छा नहीं था। लेकिन सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। '' वहीं ऑस्ट्रेलिया के किर्गीयोस ने 21वीं वरीयता प्राप्त युगो हम्बर्ट को 6-4, 4-6, 3-6, 6-1, 9-7 से हराया। पहले दौर के लगभग दो दर्जन अन्य मैच तीसरे दिन समाप्त हुए। मर्रे की तरह ही 19 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकाविच भी तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। उन्होंने केविन एंडरसन को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। वहीं तीसरे दौर में पहुंचने वाले अन्य प्रमुख खिलाड़ी हैं फ्रांसिस टिफोउ, सेबेस्टियन कोर्डा, फैबियो फोगनिनी, गरबाइन मुगुरुजा, सलोनी स्टीफन्स और इगा स्वीयातेक। दूसरी ओर अमेरिका की वीनस विलियम्स और सोफिया केनिन दूसरे दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयीं।

शेफाली के आउट होने के बाद एलईडी लाइट्स वाली गिल्लियां लगाने की मांग उठी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दूसरे एकदिवसीय मैच में बल्लेबाज शेफाली वर्मा के आउट होने के तरीके से एक बार फिर भारतीय पुरुष टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की याद आ गयी। शेफाली इस मैच में सोफी एक्लेस्टोन के 17वें ओवर में आगे बढ़कर खेलना चाहती थीं पर गेंद घूमी और कीपर जोंस के हाथों में गई। शेफाली ने वापस लौटने की कोशिश की लेकिन वह स्टंप हो गईं। वहीं धोनी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फुल स्ट्रेज करते हुए अपने को स्टंपिंग से बचा लिया था। शेफाली के रन आउट होने के बाद महिला क्रिकेट में भी एलईडी लाइट्स वाली गिल्लियां लगाने की मांग उठने लगी। पुरुष क्रिकेट के वनडे या टी20 मैचों में एलईडी लाइट्स वाली गिल्लियां विकेट पर रहती हैं। इससे थर्ड अंपायर को यह पता करने में आसानी होता है कि विकेटकीपर ने आखिर किस समय स्टंप से गिल्लियों को अलग किया। काफी नजदीकी मामलों में लाइट्स वाली गिल्लियां अंपायर का काम आसान बना देती हैं। शेफाली के रन आउट का वीडियो ट्वीट करते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लीजा स्थालेकर ने लिखा, ये दो एकदिवसीय मैचों में दूसरी बार हुआ है जब हम थर्ड अंपायर के लिए चीजों को और मुश्किल बना रहे हैं।अच्छा होगा अगर तेज चमक वाली रंगीन गिल्लियों का उपयोग यहां भी किया जाए।

श्रद्धा कपूर और आर. माधवन राष्ट्रीर चिकित्सक दिवस पर विक्स के विशेष #TouchOfCare अभिरान में शामिल हुए

मुंबई । परिवार और देखभाल का पर्यर, विक्स ने आज श्रद्धा कपूर और आर.के. नेशन डॉक्टर डे 2021 के मौके पर माधवन जैसी हस्तिरां भी शामिल हुई हैं। बीता साल कई लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है और रह हमारे डॉक्टर ही थे जिन्होंने नि:स्वार्थ भाव से हमारी और हमारे प्रिरजनों की देखभाल की और हमें आशा के कंधों पर उठा लिरा।

देश के डॉक्टर समुदार की राद में एक वर्चुअल इवेंट में #TouchOfCare के तीसरे संस्करण का अनावरण किरा गरा। ध्यानेश्वर भोंसले की असाधारण वास्तविक जीवन कहानी के माध्यम से देखभाल के शक्तिशाली प्रभाव पर प्रकाश डालता है। फिल्म का निर्देशन डॉ. भोंसले ने निस्वार्थ देखभाल के काम की एक प्रेरक रात्रा शुरू की, क्रोंकि उन्होंने रह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि दुर्भाग्रपूर्ण बच्चों को महामारी के दौरान जीवन रक्षक चिकित्सा देखभाल मिले। डॉ. जिनकी बहुत जल्दी मृत्यु हो गई। भोंसले अपने पीछे पत्नी, बच्चों और अपना खुद का बाल चिकित्सा अस्पताल बनाने का सपना छोड़ गए हैं। फिल्म सिर्फ एक अनुस्मारक है कि डॉ। भोंसले जैसे हजारों डॉक्टरों ने महामारी के दौरान अपनी जान गंवाई और परिवारों और सपनों को पीछे छोड़ दिरा।

डॉ भोंसले की प्रेरक कहानी के अलावा, विक्स ने श्रीमती भोंसले को अपने पति की असाधारण देखभाल की राद में एक बाल चिकित्सा अस्पताल बनाने में मदद करने का भी अनुरोध किरा। सार्थक बदलाव लाने और #ForceforGood के रूप में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध, Vi& ने PNG की सुरक्षा पहल के माध्रम से कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन करना जारी रखा है। पहल के तहत, पीएनडीजी ने हाल ही में राज्र सरकारों और स्थानीर अधिकारिरों के साथ मिलकर 5 लाख नागरिकों को 10 लाख टीकों का रोगदान दिरा।

देर से। डॉ ध्यानेश्वर भोंसले की पत्नी डॉ. प्रिरा ध्यानेश्वर भोंसले ने कहा, "मेरे पति को अपनी अंतिम सांस लेते हुए देखना मुश्किल था और उन्होंने प्रार्थना की कि उन्हें उसी तरह सुखदारक देखभाल का हाथ मिले जैसे उन्होंने निस्वार्थ रूप से कई बच्चों की सेवा की। मैं अपने पति के असाधारण काम और प्रेरक कहानी को उजागर करने के लिए और लातूर में बच्चों के अस्पताल के निर्माण के उनके सपने को जीवित रखने के लिए विक्स को धन्रवाद देती हूं, ताकि उनकी स्मृति और देखभाल का स्पर्श हमेशा बना रहे।"

इंग्लैंड से लगातार दो हार मिलने के बाद पूनम यादव ने दिया यह बड़ा बयान

टांटन ।

भारतीय महिला टीम की सीनियर स्पिनर पूनम यादव ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली श्रृंखला में नाकाम रहने के बाद उन्होंने अपनी गति में बदलाव करना सीखा जिससे उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दो विकेट हासिल करने में मदद मिली। इंग्लैंड ने बुधवार को दूसरे वनडे में भारत को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई। पूनम यादव ने 63 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने कप्तान हीथर नाइट और विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट किया। नवंबर 2019 के बाद इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को पहली बार सफलता मिली थी। इस साल के शुरू में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उन्होंने चार मैच खेले लेकिन इनमें वह एक भी विकेट हासिल नहीं कर पायी थी। पूनम यादव ने मैच के बाद कहा कि मैंने क्षेत्ररक्षण की सजावट और अपने रवैये में बदलाव किया। बल्लेबाज मेरी गेंदों को बैकफुट पर जाकर खेल रहे थे। ऐसे में गति और विकेट की प्रकृति मायने रखती है। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी गति में बदलाव करने पर काम किया और इन दो श्रृंखलाओं के बीच मेरे पास इसके लिये समय भी था। मैंने लंबे समय बाद विकेट लिया। किसी भी गेंदबाज के लिये यह मायने रखता है कि वह विकेट लेकर अपना योगदान दे और अपना स्पैल पूरा करे। मैंने आज अधिक रन खर्च किए। मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। भारतीय टीम मिताली राज के 59 और शेफाली वर्मा के 44 रन के बावजूद 221 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड ने सोफी डंकली (नाबाद 73) और कैथरीन ब्रंट (नाबाद 33) के बीच छठे विकेट के लिये 92 रन की अटूट साझेदारी के दम पर जीत दर्ज की। पूनम ने कहा कि हमने विकेट गंवाये लेकिन फिर भी अच्छा स्कोर बनाने में सफल रहे। हम उन्हें रोक सकते थे। हमारे गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उन पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये। इस बार हमारा क्षेत्ररक्षण भी अच्छा रहा।

स्तनपान कराने वाली खिलाड़ियों को बच्चों को टोक्यो ले जाने की अनुमति मिली

टोरंटो।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने स्तनपान कराने वाली खिलाड़ियों को अपने बच्चों को तोक्यो ले जाने की अनुमति दे दी है। विश्व की सर्वोच्च खेल संस्था ने यह निर्णय कनाडा की बास्केटबॉल खिलाड़ी किम गौचर के अनुरोध पर लिया जो अपनी नवजात बिटिया को स्तनपान कराती है। गौचर ने इंस्टाग्राम में अपनी तीन महीने की बेटी सोफी को तोक्यो ले जाने की भावनात्मक अपील की थी। ब्रिटिश कोलंबिया के मिसन में रहने वाले 37 वर्षीय गौचर ने कहा कि आईओसी के पूर्व के फैसले के बाद उनके सामने दो ही विकल्प थे - ओलंपिक में नहीं खेलना या तोक्यो में अपनी बेटी के बिना 28 दिन बिताना। आईओसी ने बयान में कहा, ''हम इसका स्वागत करते हैं इतनी सारी मां ओलंपिक खेलों सहित शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं।'' इसमें कहा गया है, ''हमें यह जानकर खुशी हो रही है कि तोक्यो 2020 आयोजन समिति ने स्तनपान कराने वाली खिलाड़ियों और उनके बच्चों के जापान के प्रवेश के संबंध में विशेष समाधान निकाला है। '' आईओसी ने पहले कहा था कि कोविड-19 प्रतिबंधों को देखते हुए किसी भी खिलाड़ी का परिवार तोक्यो नहीं जा सकता है लेकिन गौचर ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया और प्रायोजक जापान की यात्रा कर सकते हैं और जापानी दर्शकों को सीमित संख्या में स्टेडियमों में आने की अनुमति होगी लेकिन केवल खिलाड़ियों को अपने बच्चों से नहीं मिलने दिया जाएगा। उन्होंने कहा था, ''जापान के दर्शक स्टेडियमों में उपस्थित रहेंगे। स्टेडियम आधे भरे होंगे लेकिन मैं अपनी बेटी से नहीं मिल पाऊंगी। '' गौचर अभी फ्लोरिडा में अभ्यास शिविर में भाग ले रही हैं और आईओसी के नवीनतम निर्णय से उन्हें उनके पति ने अवगत कराया। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं और उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने इसमें मदद की। '' नयी नीति का फायदा स्तनपान कराने वाली उन सभी महिला खिलाड़ियों को मिलेगा जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया है। इनमें अमेरिकी फुटबॉल खिलाड़ी अलेक्स मोर्गन भी शामिल हैं जिनकी मई 2020 में जन्मी बिटिया चार्ली भी अब उनके साथ तोक्यो जा सकती है। गौचर और मोर्गन दोनों का यह तीसरा ओलंपिक होगा।

अब लैंगर की कोचिंग स्टाइल से किसी खिलाड़ी को परेशानी नहीं : फिंच

सेंट लूसिया। ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के कप्तान एरॉन फिंच ने कहा है कि अब खिलाड़ियों को कोच जस्टिन लैंगर के काम करने के तरीके से कोई शिकायत नहीं है। फिंच ने कहा कि लैंगर ने पिछले सत्र की समीक्षा बैठक में जब खिलाड़ियों से बात की थी तभी सभी प्रकार के संदेह समाप्त हो गये थे। वहीं भारत के खिलाफ हुई घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद कहा जा रहा था कि कई खिलाड़ी कोच लैंगर की कोचिंग स्टाइल से संतुष्ट नहीं हैं। टीम की समीक्षा बैठक में भी 40 खिलाड़ियों ने उनकी कोचिंग के तरीके और टीम प्रबंधन शैली पर नाराजगी व्यक्त की थी। फिंच ने हालांकि कहा कि लैंगर ने वेस्टइंडीज जाने से पहले खिलाड़ियों के साथ बातचीत के बाद मतभेदों को सुलझा लिया था। फिंच ने सेंट लूसिया से कहा कि लैंगर के लिए ये अच्छा रहा कि उन्होंने सलाहकार टिम फोर्ड के साथ पिछले सत्र की समीक्षा बैठक में खिलाड़ियों की चिंताओं पर खुलकर बात की थी। मुझे लगता है कि अब सारे विवाद सुलझ गये हैं और ये वाकई शानदार है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय लैंगर और खिलाड़ियों के रिश्तों में दरार आ गई थी। इस मामले में उन्होंने खिलाड़ियों से अपनी दिल की बात कही जिसे सभी मतभेद समाप्त हो गये हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने साथ ही कहा कि लैंगर ने बतौर कोच हालात का अच्छे से सामना किया और खिलाड़ियों ने भी उनकी बात को सुना. ये वाकई शानदार था। इससे पता चलता है कि लैंगर किस किस्म के इंसान हैं। वो टीम को लेकर कुछ चीजों पर काम कर रहे हैं और पूरी टीम उनके साथ खड़ी है।

सभी विषय में मार्क्स जीरो तो भी एसएससी पास !

यह विद्यार्थियों को लाभ मिला ऐसा किसी को लाभ नहीं मिला, एक भी मार्क्स लिए बिना भी पास हो गये

अहमदाबाद ।

कोरोना महामारी में यदि किसी को जीवनभर का लाभ हुआ तो यह गुजरात में कक्षा-१० के बोर्ड के यह १०० विद्यार्थी है जिन्होंने एक भी विषय में कोई मार्क्स लिए बिना भी बोर्ड पास कर लिया है। मंगलवार की रात को बाहर पड़े कक्षा-१० के परिणाम में महामारी की वजह से कक्षा-१० में दिया गया मास प्रमोशन में १०० विद्यार्थियों को बोर्ड ने १९८ ग्रेस मार्क्स देकर पास किया है । अब कक्षा-१० में बोर्ड की परीक्षा में पास होने के लिए विद्यार्थियों को अपने ६ विषय में ३३ मार्क्स लेना होता है । ऐसे में यदि बोर्ड ने यह विद्यार्थियों को १९८ ग्रेस मार्क्स दिया है तो इसका अर्थ यह हुआ कि यह विद्यार्थियों को क्या वास्तव में ६ में से एक भी विषय में अपने हिसाब से एक भी मार्क्स नहीं मिला है वास्तव में दुख की बात है। भूतकाल में गुजरात सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एज्युकेशन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि विद्यार्थियों को पास करने के लिए टोटल २४ ग्रेसिंग मार्क्स दिया गया है । हालांकि यह शर्त थी कि विद्यार्थी ने कम से कम ४० फीसदी अंक मिलना चाहिए । अब दो ही विषय में मिलाकर कुल २४ मार्क्स बोर्ड दिया जाता था । हालांकि यह वर्ष की बात अलग है । इस वर्ष में बोर्ड ने कक्षा-१० का परिणाम महामारी को ध्यान में रखकर मेरिट आधारित बनाया है । जिसमें परिणाम निश्चित करने के लिए विद्यार्थियों के कक्षा-९ के परिणाम आधार पर ४० फीसदी, कक्षा-१० इकाई परीक्षा के आधार पर ४० फीसदी और आंतरिक मुल्यांकन के २० फीसदी के आधार पर मार्क्स दिया गया है। अब यहां बड़ी बात है कि इस आधार पर पहले १०० विद्यार्थियों ने ऐसा तो कितना खराब प्रदर्शन किया होगा कि कक्षा-९ का परिणाम और कक्षा-१० की इकाई परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर भी उनको कोई अंक नहीं मिला और जिसकी वजह से बोर्ड ने उनको सभी विषय में ग्रेस मार्क्स देना पड़ा है । बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि यह विद्यार्थियों को १९८ ग्रेस मार्क्स देने का अर्थ होता है कि उन्होंने कक्षा-९ की परीक्षा और कक्षा-१० की इकाई परीक्षाओं में एक भी विषय में एक मार्क प्राप्त नहीं किया है ।

गुजराती फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता अरविंद राठौर का निधन

अहमदाबाद ।

गुजराती फिल्म इंडस्ट्री ने एक अनुभवी अभिनेता को खो दिया है। गुजराती फिल्म, टीवी और नाटक के दिग्गज अभिनेता अरविंद राठौर का निधन हो गया है। वह ८० साल के थे। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और किसी से संपर्क में भी नहीं थे । अहमदाबाद के पालड़ी इलाके में वह रहते थे । भादर तारा वहेता पाणी, सोन कंसारी, गंगा सती, मां खोदल तारो खामकारो जैसी कई नामचीन फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं।

जॉनी उसका नाम, बदनाम फरिश्ते, महासती सावित्री, कोरा कागज, सलाम मेमसब, जैसी कई हिंदी फिल्मों में भी काम किया था । वह संवाद बोलने की अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते थे । गुजराती फिल्मों के खलनायकों में अरविंद राठौर का उतना ही दबदबा रहा है, जितना हिंदी फिल्मों में एक जमाने में प्राण के नाम का सिक्का चलता था । वह ज्यादातर गुजराती फिल्मों में खलनायक की भूमिका अदा करते थे । गुजराती रंगमंच और फिल्मों के दिग्गज अभिनेता अरविंद राठौर के निधन से गुजराती फिल्म जगत में शोक का माहौल छा गया है। उनके पिता सिलाई के व्यवसाय से जुड़े थे । लेकिन वह अपने पिता के व्यवसाय में शामिल नहीं हुए । पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने स्कूल-कॉलेज में अभिनय शुरू कर दिया था।

एटीएसए ने वडोदरा के सलाउद्दीन को किया गिरफ्तार

सलाउद्दीन पर धर्म परिवर्तन के लिए धन मुहैया कराने का आरोप है : सलाउद्दीन के घर और दफ्तर की जांच

वडोदरा ।

उत्तर प्रदेश पुलिस धर्म परिवर्तन मामले की जांच शुरू कर दी है । धर्मांतरण मामले का तार गुजरात से भी जुड़े हुए है । उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते ने वडोदरा के सलाउद्दीन को गिरफ्तार किया है । सलाउद्दीन पर धर्म परिवर्तन के लिए धन मुहैया कराने का आरोप है । गिरफ्तारी के बाद यूपी एटीएस ने सलाउद्दीन के घर और दफ्तर की जांच शुरू कर दी है । उत्तर प्रदेश धर्म परिवर्तन मामले में दो दिन पहले यूपी और गुजरात एटीएसए ने वडोदरा से सलाउद्दीन को गिरफ्तार किया था । सलाउद्दीन से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं । सलाउद्दीन के एनजीओ को विदेशों से फंडिंग मिलता था । वह विदेश से आए पैसे का इस्तेमाल धर्मांतरण के लिए करता था । जांच में यह भी पता चला कि उसने उमर गौतम को ३० लाख रुपये ट्रांसफर किया था । धर्म परिवर्तन के सिलसिले में सलाउद्दीन के घर और दफ्तर की एटीएस की टीम चांज कर रही है । एटीएस की टीम ने कई जरूरी गैजेट समेत दस्तावेज भी जब्त किए हैं ।

सलाउद्दीन शेख की गिरफ्तारी के बाद उसे अहमदाबाद ग्रामीण अदालत में रिमांड के लिए पेश किया गया था । कोर्ट ने एटीएस टीम की दलीलों को ध्यान में रखते हुए आरोपी को ३ दिन की ट्रांजिट रिमांड का आदेश दिया है । यूपी धर्म परिवर्तन मामले की बात करें तो उमर गौतम पर एक हजार से ज्यादा लोगों का धर्म परिवर्तन कराने का आरोप है । उन पर पैसे समेत अन्य लालच देकर लोगों का धर्म परिवर्तन का आरोप लगा है । वे मुख्य रूप से बहरे और महिलाओं को अपना निशाना बनाते थे । उमर गौतम पहले हिंदू था लेकिन उसने सालों पहले इस्लाम धर्म अपना लिया है ।

सरकार प्रवासी मजदूरों पर दर्ज केस को वापस लेगी

गांधीनगर ।

कोरोना पर काबू पाने के लिए पिछले साल राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगा दिया था । लॉकडाउन का समयसीमा बार-बार बढ़ाए जाने पर भूख और प्यास से परेशान प्रवासी मजदूर पैदल ही अपने गांव निकल गए थे । इस दौरान कई जगहों पर प्रवासी मजदूरों ने घर जाने की मांग को लेकर हंगामा भी किया था । गुजरात में भी प्रवासी मजदूरों ने घर जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था । जिसकी वजह से कई प्रवासी मजदूरों पर पुलिस ने केस दर्ज किया था । लेकिन अब रूपाणी सरकार ने तमाम केस को वापस लेने का फैसला किया है ।

कोरोना की पहली लहर के दौरान लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान हजारों की संख्या में मजदूर शहरों को छोड़कर अपने गांव की ओर रवाना हो गए थे । साधन नहीं मिलने की वजह से कुछ मजदूर पैदल ही निकल गए थे । वहीं कुछ प्रवासी मजदूरों ने घर वापसी की मांग को लेकर हंगामा किया था । पुलिस ने तालाबंदी का उल्लंघन करने के आरोप में श्रमिकों के खिलाफ केस दर्ज किया था । मिल रही जानकारी के अनुसार गुजरात पुलिस ने ७२५ प्रवासी मजदूरों के खिलाफ लॉकडाउन उल्लंघन का केस दर्ज किया था । पुलिस द्वारा दर्ज लगभग २०० केस का कोर्ट में फैसला हो चुका है । प्रवासी मजदूरों पर दर्ज ५०० से ज्यादा केस अभी भी लंबित हैं । मिल रही जानकारी के अनुसार ऐसे केसों को रूपाणी सरकार वापस लेगी । अगर सरकार ऐसा करेगी तो प्रवासी मजदूरों को बड़ी राहत मिलेगी । इतना ही नहीं मजदूरों को कोर्ट का चक्कर भी नहीं लगाना पड़ेगा ।

गौरतलब है कि पिछले साल गुजरात कई हिस्सों में रहने वाले प्रवासी मजदूरों घर वापसी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था । कई जगहों पर प्रदर्शन हिंसक हो गया था । लॉकडाउन के बीच सूरत शहर में घर वापस लौटने की मांग को लेकर सैकड़ों मजदूर पर सड़क पर उतर आए थे । इन मजदूरों ने शहर के लक्सामा इलाके में ठेलों और टायरों में आग लगा कर हंगामा किया था । इस घटना के संबंध में पुलिस ने ८० लोगों को गिरफ्तार किया था ।

जायडस ने डीएनए वैक्सीन के इस्तेमाल की मंजूरी मांगी

१२ साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए अपने डीएनए वैक्सीन का आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति मांगी

वडोदरा ।

वडोदरा शहर जैसे कि लव जिहाद का एपी सेंटर बन गया हो इस तरह लव जिहाद का नया कानून लागू होने के बाद एक के बाद एक मामले सामने आये है।

अब एक विधर्म युवक ने युवती पर दुष्कर्म किया हो ऐसा मामला पुलिस चोपड़े में दर्ज हुआ है । जिसमें नागरवाडा में रहते सोहिल साजिद शेख के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत की फतेगंज पुलिस स्टेशन में करने के लिए दबाव करने गई है । पीड़िता का आरोप है कि सोहिल ने इसे शादी की लालच दी थी और तांदलजा में एक मकान में ले जाकर दुष्कर्म किया। जिसके बाद में पीड़िता ने फिर से शारीरिक संबंध बनाने से मना करने पर आरोपी ने पीड़िता को पीटा था । सोहिल ने पीड़िता की इच्छा के विरूद्ध शारीरिक छेड़छाड़ किया था । यह मामले में पीड़िता ने आरोपी सोहिल साजिद शेख के खिलाफ शिकायत की फतेगंज पुलिस स्टेशन में करने के लिए दबाव करने के साथ यह २०२० में सोशल मीडिया के द्वारा मिली थी । जिसके बाद सोहिल इसे ब्लैकमेल करने लगा था । खुद इसे बहुत प्रेम करता है, इसके बिना जी नहीं सकता ऐसी बातें करने लगा था। इस दौरान साहिल युवती को मिल आने के लिए दबाव करता था । युवती मिलने आती थी तब इसके इच्छा के विरूद्ध छेड़छाड़ करता था । वडोदरा शहर लगा था । इसके अलावा यह में दो ही सप्ताह में लव जिहाद का तीसरा अपराध दर्ज किया गया है । जिसमें नागरवाडा के २० वर्षीय बेरोजगार सोहिल शेख ने फतेगंज की २० वर्ष की युवती को पहले सोशल मीडिया के द्वारा प्रेमजाल में फंसाया था । जिसके बाद शादी कर लेने की लालच देकर दुष्कर्म किया गया। युवती की शिकायत के अनुसार सोहिल ने इसे शादी पहले ही मुस्लिम धर्म पालन कहता था कि तुझे मेरी दूसरी पत्नी के साथ भी रहना पड़ेगा । शादी के बाद बुरखा भी पहनना पड़ेगा । इस मामले में परेशान होकर युवती ने फतेगंज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है ।

युवती का कहना है कि आरोपी इसे इमोशनली ब्लैकमेल करता था । सोहिल

कनाडा के वीजा के लिए प्रक्रिया डेढ़ वर्ष बाद शुरू

अहमदाबाद ।

कई दिनों के बाद भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में कोरोना का जोर घट रहा है तब कनाडा सरकार ने अगले महीने से भारत-कनाडा के बीच हवाई सेवा शुरू करने की तैयारियां शुरू कर दी है । दूसरी तरफ सभी प्रकार के वीजा के लिए काम भी शुरू किया गया है । अहमदाबाद में भी वीजा के लिए आवेदन करने वाले लोगों के लिए फिंगर प्रिंट और बायोमेट्रिक्स के लिए काम शुरू हुआ है । इसके लिए लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है । अहमदाबाद में कनाडा की वीजा की प्रोसेस के लिए १५ दिन बाद की नियुक्ति मिलने लगी है । आगामी दिनों में अन्य देशों में भी भारत की फ्लाइट शुरू हो ऐसी प्रबल संभावना दिखाई दे रही है । भारत से बहुत बड़ी संख्या में विद्यार्थी विदेश पढ़ने जाते है । इसके अलावा घूमने के लिए भारतीय विश्वभर के देशों में जाते है ।

हालांकि, पिछले डेढ़ वर्ष से कोरोना की लहर की वजह से लोग विदेश नहीं जा सकते है । कई देशों में सिर्फ विद्यार्थी वीजा पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है । भारत को कोरोना में रेड जोन में रखने पर अन्य वीजा होल्डर के लिए एंट्री प्रतिबंधित कर दी गई है । वर्तमान स्थिति मामले में जानकारी देते वीजा कंसल्टन्ट पंकिल कांटावाला और पलक पटेल ने बताया कि, करीब डेढ़ वर्ष बाद कनाडा के सभी प्रकार के वीजा का काम शुरू किया गया है । वीजा के लिए आवेदन करने वाले लोगों के लिए अहमदाबाद में प्रोग्राम था । वहां बायोमेट्रिक्स फिंगर प्रिंट के लिए काम शुरू हो गया है जिसकी वजह से लोगों की भीड़ बढ़ रही है । उनके बताये अनुसार अगले महीने के अंत में भारत और कनाडा के बीच की फ्लाईट शुरू हो जाएगी ।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वावलम्बी बनाने के आने वाली रोजनाओं से आएगा व्यारा आदिवासी अंचल में सकारात्मक बदलाव समुदार के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध -दोसवाड़ा जिंक संरंत्र

ब्यारा, गुजरात । देश की प्रमुख जिंक उत्पादक भारतीर कंपनी, सामाजिक जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और सतत विकास की मूल धारणा को अमल में लाने को प्राथमिकता देती है। संरंत्र के दोसवाडा में स्थापित होने से आदिवासी अंचल में आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वावलंबी बनाने हेतु रोजनाओ के संचालन से सकारात्मक बदलाव आएगा।

हिन्दुस्तान जिंक अपने संचालन के आस पास के 189 गांवों जिनमें से राजस्थान के 184 और उत्तराखंड के 5 गावों में सामुदारिक विकास की विभिन्न परियोजनाएं सरकार, स्थानीर समुदारों और स्वरंसेवी संगठनों के साथ मिल कर क्रियन्वित कर रहा है जिससे वहां के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले तीन वर्षों में, हिन्दुस्तान जिंक ने सामाजिक विकास हेतु विभिन्न विकास कार्रक्रमों के जरिरे 354 करोड़ रुपरे खर्च किए हैं, जिससे 5 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

कंपनी के दोसवाड़ा जिंक संरंत्र की मुख्य प्राथमिकताएं स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत आजीविका, महिला सशक्तिकरण, एवं जल आदि हैं। वर्तमान में लागू परियोजनाओं में मोबाइल स्वास्थ्य इकाई शामिल हैं, जिसका लक्ष्र जरूरतमंदों तक प्राथमिक और उत्तम स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं पहुंचाना और ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध संसाधनों जैसे एएसएचएएस और एएनएम के साथ मिलकर कार्र करना है। इस परियोजना में 12 पंचारतों के 16 से ज्यादा गांव शामिल हैं और लगभग 50 ओपीडी सत्र मासिक रूप से आरोजित किए जा रहे है, जो लगभग 2000 रोगिरें को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं।

वर्षा जल की कमी और अपर्याप्त भूजल पुनर्भरण के कारण, देश के कई क्षेत्रों में पेरजल और कृषि रोग्र जल की समस्र है। इस समस्र के समाधान करने हेतु दोसवाड़ा जिंक संरंत्र ने 16 गांवों में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन अध्रन शुरू किरा है। हिन्दुस्तान जिंक कोविड-19 महामारी से राहत एवं बचाव और सार्वजनिक आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए, हिन्दुस्तान जिंक के दोसवाड़ा जिंक प्लांट ने सामान्र चिकित्सालर, तापी, गुजरात को 50 से अधिक जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण प्रदान किए हैं।

आज सम्पूर्ण भारत में कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए बड़े पैमाने पर सामाजिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास करना अनिवार्र हो गरा है। दोसवाड़ा जिंक प्लांट ने अपने कार्र क्षेत्र के आसपास समुदार के लिए एक आइसोलेशन सेंटर स्थापित किरा है। कंपनी ने सूखा राशन वितरण अभिरान की अपनी पहल के तहत, आसपास के 16 गांवों में अत्यधिक प्रभावित व वंचित वर्ग के लिए 3000 राशन किट उपलब्ध करारा है।

कंपनी की आगामी कार्रक्रमों में सखी

AM / NS India और L&T ने भारत के परमाणु कार्रक्रम के लिए स्थानीर स्तर पर पहली बार एलॉर स्टील के विकास के लिए आत्मनिर्भर भारत अभिरान का नेतृत्व किरा

सूरत । आत्मनिर्भर भारत विजन के अनुरूप, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिरा (एएम/एनएस इंडिरा) ने भारी पानी में उपरोग के लिए न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिरा लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के लिए देश का पहला स्वदेशी विकसित स्थान विकसित किरा है रिएक्टरDIN 10028-2 ने 16Mo3 स्टील प्लेट्स का डिजाइन और निर्माण किरा है।

लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के सहरोग से विकसित विशेष स्टील प्लेट्स को 29 जून को एएम/एनएस इंडिरा के हजीरा प्लांट में आरोजित एक समारोह में झंडी दिखाकर रवाना किरा गरा। इस अवसर पर कंपनी, एलएंडटी हेवी इंजीनिररिंग और एनपीसीआईएल क्वालिटी सर्विलांस टीम के अधिकारी उपस्थित थे।

पहली बार कोई घरेलू आपूर्तिकर्ता इस ग्रेड के लिए महत्वपूर्ण श्रेणी के उपकरणों के लिए एनपीसीआईएल द्वारा निर्धारित उच्च कच्चे माल और उत्पादन मानदंडों को पूरा करने में सक्षम है। इससे पहले विशेषज्ञ स्टील प्लेट विदेशों से मंगवाई जाती थी। रह आरात प्रतिस्थापन कच्चे माल के उत्पादन में उत्कृष्टता के साथ-साथ देश के परमाणु कार्रक्रम के लिए महत्वपूर्ण श्रेणी के उपकरण प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशीकरण की दिशा में एक बड़े कदम का एक उदाहरण है।

स्पेशलिस्ट एलॉर स्टील प्लेट्स का पहला बैच वर्षों के व्यापक परीक्षणों के बाद विकसित किरा गरा है और सख्त गुणवत्ता परिवेक्षण के तहत एलएंडटी और एनपीसीआईएल द्वारा निर्मित किरा गरा है। 16 MO3 ग्रेड प्लेट भाप जनरेटर के सबसे महत्वपूर्ण आंतरिक घटकों में से एक हैं, जो कठोर तापमान, दबाव और रेडियोधर्मी परिचालन स्थितियों के तहत काम करते हैं।

एनपीसीआईएल ने निरंत्रित रसारन शास्त्र, उन्नत रांत्रिक गुणों के साथ सिमुलेशन गर्मी उपचार सहित कठोर उत्पादन सुविधाओं को पेश किरा है, जिन्हें अल्ट्रासोनिक परीक्षा मानकों के लिए परीक्षण किरा जाता है।

एनपीसीआईएल सख्त उत्पाद विनिर्देशों को निर्धारित करता है, जिसमें उन्नत रसारन विज्ञान, उन्नत रांत्रिक गुण, सिमुलेशन गर्मी उपचार सहित, और कस्टम अल्ट्रासोनिक परीक्षा मानदंड के लिए परीक्षण शामिल हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)